

राष्ट्रीय मासिक

मूल्य: 40/-

रफ्तार

मीडिया

वर्ष : 04 | अंक 36

September, 2026

एसआईआर मतदाता सूची
की शुद्धता या लोकतांत्रिक
अधिकार पर संकट?

JHAHIN01072

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW

25TH-29TH SEPTEMBER, 2026

4TH
EDITION

INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA



ONE DISTRICT ONE PRODUCT

**75 Unique Products.
Global Recognition.**

**Nearly 50% Contribution to the State's overall
Exports of more than ₹2 Lakh Crore**

PAGE 04



रफ्तार मीडिया कवर स्टोरी

प्रबंध संपादक गौरव कुमार

डिप्टी एडिटर अरविंद कुमार

संपादकीय कार्यालय

उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, नियर अरगोड़ा
थाना, हरमू, रांची. पिन-834002
ईमेल articlraftaar@gmail.com
विज्ञापन: 9709289751



पिछला अंक

मुद्रक : प्रकाशक एवम स्वतत्वाधिकारी गौरव कुमार के
पक्ष में शिवसाई पब्लिकेशन प्रा.लिमिटेड, काठौटाड़, नियर
टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट एवं थाना रातू। रांची
835222 झारखंड द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

एसआईआर (SIR) क्या है और इसकी जरूरत क्यों पड़ी? एसआईआर मतदाता सूची की शुद्धता या लोकतांत्रिक अधिकार पर संकट?

फर्जी मतदाताओं को हटाना देश के हित में है। लेकिन चुनाव आयोग और प्रशासन को यह याद रखना होगा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण "सकारात्मक समावेशन" (Positive Inclusion) के लिए होना चाहिए, न कि वैध नागरिकों को बाहर करने के लिए।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्ष चुनाव प्रणाली है, और इस प्रणाली की रीढ़ है देश की मतदाता सूची। हाल के दिनों में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा एसआईआर (Special Intensive Revision) यानी 'विशेष गहन पुनरीक्षण' अभियान देश भर में चर्चा और विवादों का केंद्र बन गया है। जहाँ एक तरफ चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिमुक्त बनाने का एक क्रांतिकारी कदम बता रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। मतदाता सूची को पूरी तरह से अपडेट करने के लिए चलाया जाने वाला एक घर-घर सत्यापन (Door-to-Door Verification) अभियान है।

अरविंद कुमार
डिप्टी एडिटर

समय के साथ बड़ी संख्या में लोग एक जगह से दूसरी जगह पलायन (migration) कर जाते हैं, कई योग्य युवाओं की उम्र 18 वर्ष हो जाती है, और कई मतदाताओं की मृत्यु हो जाती है। पुरानी सूचियों में मृत, शिफ्ट हो चुके या डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम बने रहने से फर्जी मतदान का खतरा रहता है। इसी प्रशासनिक गंदगी को साफ करने के लिए चुनाव आयोग ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत इस विशेष अभियान की शुरुआत की। इसके तहत बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) हर घर जाकर मतदाताओं की भौतिक स्थिति की जांच करते हैं। इस अभियान का सबसे संवेदनशील पहलू इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन से जुड़ा है। भारत के ग्रामीण इलाकों में आज भी एक बड़ी आबादी ऐसी है जो दिहाड़ी मजदूरी करती है, अशिक्षित है या जिनके पास अपने निवास और पहचान के पुख्ता डिजिटल दस्तावेज नहीं हैं। दस्तावेजों का संकट: हालांकि शुरुआती गणना चरण (Enumeration Phase) में BLO द्वारा सीधे

दस्तावेज नहीं मांगे जाते, लेकिन यदि मसौदा सूची (Draft Roll) जारी होने के बाद किसी मतदाता के नाम पर कोई विसंगति या आपत्ति दर्ज होती है, तो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ERO) द्वारा कड़े दस्तावेजों की मांग की जा सकती है। वंचना का खतरा: पूर्व नौकरशाहों और नागरिक समाज के विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि इस प्रक्रिया के कारण समाज के सबसे गरीब, पिछड़े और बुजुर्ग लोग, जो दशकों से भारत में रह रहे हैं और वोट दे रहे हैं, सिर्फ कागजी कमियों के चलते मतदाता सूची से बाहर किए जा सकते हैं। एसआईआर को लेकर देश में एक बड़ा राजनीतिक गतिरोध भी देखने को मिल रहा है। विपक्ष के आरोप: विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया का इस्तेमाल चुनिंदा इलाकों या समुदायों के मतदाताओं को निशाना बनाने और उनके नाम सूची से काटने के लिए किया जा सकता है। फॉर्म-6 में हालिया बदलावों और पूरी प्रक्रिया की गोपनीयता को लेकर भी सवाल खड़े किए गए हैं।

लड़ाई: मामला अदालतों तक भी पहुँचा है, जहाँ सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर यह टिप्पणी की है कि मतदाता सूची से किसी का नाम हटाना बेहद गंभीर मामला है। अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि किसी भी नागरिक का नाम हटाने से पहले उसे सुनवाई का पूरा और उचित मौका (Principles of Natural Justice) मिलना चाहिए, ताकि किसी के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन न हो। इसमें कोई दो राय नहीं है कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए शुद्ध मतदाता सूची का होना अनिवार्य है। फर्जी मतदाताओं को हटाना देश के हित में है। लेकिन चुनाव आयोग और प्रशासन को यह याद रखना होगा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण "सकारात्मक समावेशन" (Positive Inclusion) के लिए होना चाहिए, न कि वैध नागरिकों को बाहर करने के लिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासनिक मुस्तैदी इतनी कठोर नहीं होनी चाहिए कि एक सुई-बराबर कागजी चूक के कारण देश का कोई असली और गरीब नागरिक अपने सबसे बड़े संवैधानिक अधिकार-मताधिकार-से वंचित हो जाए।

कॉर्पोरेट एवं व्यावसायिक कार्यालय: अजीत कुमार, 8/18 सेकेंड प्लोर, नेहरू नगर, नई दिल्ली 110065 ईमेल raftaarhr@gmail.com CONTACT NO. 6203592707

सुबई कार्यालय: चंद्रमान विश्वनाथ मौर्य, रुम नंबर A56/3/5 संत रोहिदास मार्ग खंबादेव नगर धारावी मुंबई- 400017

देहरादून कार्यालय: आयुष निगम, खबर हाउस, नेवासा रोहन मोटर्स के पीछे, जीएमएस रोड, देहरादून, उत्तराखंड, 248001 |

राजकुमार, एस.सी.एफ. 254, प्रथम मंजिल, सेक्टर 16, पंचकूला (हरियाणा) | स्वरूप भट्टाचार्य, रफ्तार मीडिया CG-MP H-14, देवर पिंग सिटी, गायत्री नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ | शाहिद सिद्दीकी, 21, बीसी गोमती रीजेंसी, साड़ी मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ | रवि नंदन सिंह (स्टेट हेड), 200/1D, डीजी मिश्रा पथ, न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी पटना (बिहार) 800013 |



ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन छोड़ा

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पटना के सड़क पर कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारी चुनाव आयोग कार्यालय तक पहुंचना चाह रहे थे। लेकिन, विधानसभा से आगे बढ़ते ही पटना पुलिस ने उन्हें रोका है। वहां वे सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया।

चुनाव आयोग के कार्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पटना पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग कर रोकने का काम किया है। प्रदर्शन में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी मौजूद थे। पप्पू यादव अपने कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करना चाह रहे थे। तो पुलिस ने वाटर कैनन चला उन्हें भी रोका है।

“ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी किया है। एसआईआर के जरिए गरीब, दलित, ईबीसी, ओबीसी समाज के लोगों के अधिकार को छीना है। संविधान की धज्जी उड़ाया है। सब कुछ सामने आ गया है। इनको फांसी की सजा मिलना चाहिए।” आज पूरे देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि, ज्ञानेश कुमार को फौरन हटाकर जेल में डालना होगा। सुप्रीम कोर्ट

विपक्ष चुनाव आयोग को घेरने का काम कर रहा है। इसके साथ ही विपक्षी नेता ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की गई है। इस याचिका में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर और कथित रूप से बिना सहमति के वोटों के पंजीकरण में नाम हटाने-जोड़ने के मामले की जांच की मांग की गई है। विपक्ष ने तत्काल प्रभाव से चुनाव आयुक्त से इस्तीफे और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।



के साथ भी उन्होंने धोखा किया है। पप्पू यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल, बिहार और असम की जनता के साथ अन्याय किया है। वोट चोरी किया है। उन्हें सजा जरूर मिलना चाहिए। चुनाव आयुक्त

ज्ञानेश कुमार एक मीडिया रिपोर्ट से उपजे विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित खबर के अनुसार चुनाव आयोग के दो निर्वाचन आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में 14

बार अपनी आपत्ति जताई थी। सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने वोटों के पंजीकरण और नाम हटाने-जोड़ने को लेकर फॉर्म 6 में बदलाव और मतदाता सूची के डेटाबेस पर सवाल खड़े किए थे।



‘जानेश कुमार देश द्रोही है’ SIR के खिलाफ आरजेडी का फूटा गुस्सा

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR को लेकर सियासी घमासान एक बार फिर तेज हो गया है। विपक्षी दल चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इसी कड़ी में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में प्रदर्शन किया। आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से इनकम टैक्स गोलंबर तक मार्च निकाला और मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

आरजेडी के आह्वान पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता पटना की सड़कों पर उतरे। इनमें पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं। कार्यकर्ताओं के हाथों में मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार के पुतले थे। पार्टी कार्यालय से शुरू हुआ मार्च इनकम टैक्स गोलंबर की तरफ बढ़ा, जहां पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए। ‘मोदी इस्तीफा दो’ और ‘जानेश कुमार इस्तीफा दो’ जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने SIR की प्रक्रिया पर सवाल

उठाते हुए इसे मतदाताओं के अधिकार से जोड़कर देखा।

मोतिहारी में राष्ट्रीय जनता दल ने प्रदर्शन किया। RJD के जिला अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर आक्रोश मार्च निकाला और मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार के खिलाफ

में पूरी पारदर्शिता जरूरी है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को विपक्ष और आम मतदाताओं की ओर से उठाए जा रहे सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए। कैमूर के भभुआ शहर में चुनाव आयोग के खिलाफ पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। निवर्तमान राजद

आयुक्त जानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध जताया और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बेतिया में भी मुख्य चुनाव आयुक्त जानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। राजद कार्यकर्ताओं ने बेतिया कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त का



नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूँका। RJD नेताओं का कहना था कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और इससे जुड़े किसी भी फैसले

जिला अध्यक्ष अकलू राम के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ता प्रधान कार्यालय भभुआ से जुलूस की शकल में निकले और एकता चौक पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव

पुतला दहन किया। राजद के जिला प्रवक्ता प्रभु यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा को चुनावी प्रक्रिया में अनुचित लाभ पहुंचाया गया और वोटों की कथित चोरी हुई।

SIR यानी Special Intensive Revision का मकसद मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण करना है। इसके तहत मतदाता सूची में मौजूद नामों का सत्यापन किया जाता है और मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अपात्र प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। बिहार में शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद दस्तावेज, पात्रता और नामों को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हुआ और बाद में यह बहस दूसरे राज्यों तक भी पहुंची।



सीएम सम्राट चौधरी ने किया उद्घाटन

फल्गु तट पर लेजर शो होगा मुख्य आकर्षण

बिहार के विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले की शुरुआत शुक्रवार को हो गई है। गया के गांधी मैदान में पितृपक्ष मेला महासंगम-2026 का विधिवत उद्घाटन सीएम सम्राट चौधरी ने किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत भी मौजूद रहे। सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ने उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना की।

गर्भगृह में भगवान विष्णु के चरणचिह्न के दर्शन किए। इसके बाद मुख्यमंत्री फल्गु स्थित देवघाट पहुंचे और निरीक्षण किया। पितृपक्ष में गयाजी आने वाले तीर्थ यात्रियों को लेकर की गई व्यवस्थाओं को देखा। उद्घाटन के मौके पर सूबे के कई मंत्री और विधायक भी मौजूद थे।

इस बार गयाजी में फल्गु देवघाट तट पर लेजर शो आकर्षण का केंद्र होगा। इसके माध्यम से गयाजी की धार्मिक और पिंडदान की कथा दिखाई जाएगी। गुरुवार की शाम ही लेजर शो का उद्घाटन मगध प्रमंडल आयुक्त डॉ. सफीना एएन और मगध रेंज आईजी विकास वैभव, मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, नगर आयुक्त गगन कुमार, पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मगध आईजी विकास वैभव ने कहा कि चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा

व्यवस्था है। किसी भी तीर्थ यात्री को किसी तरह की भी समस्या हो, तो वह जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क साध सकता है। मगध आईजी ने कहा कि पितृपक्ष मेले का प्रारंभ 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक है।

को सीसीटीवी से लैस किया गया है। किसी प्रकार की सूचना हो, तो जिला प्रशासन या जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत दे सकते हैं। गयाजी के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान ने बताया कि, पितृपक्ष

धार्मिक परंपरा और संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचाने का भी अवसर है। “फल्गु देवघाट पर लेजर शो लाइट इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। लेजर शो लाइट देखकर तीर्थ यात्री काफी आकर्षित होंगे और गयाजी



प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पूरे आयोजन को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाए। जदयू के मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला का उद्घाटन किये।

“जिला प्रशासन के द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। पुलिस तत्पर है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हर कदम उठाए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र

मेले को लेकर तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। पितृपक्ष मेला केवल पिंडदान और तर्पण का आयोजन नहीं, बल्कि गयाजी की प्राचीन

के लिए एक बेहतर मैसेज लेकर जाएंगे।” गयाजी में पितृपक्ष मेले को लेकर में उत्साह का माहौल है।



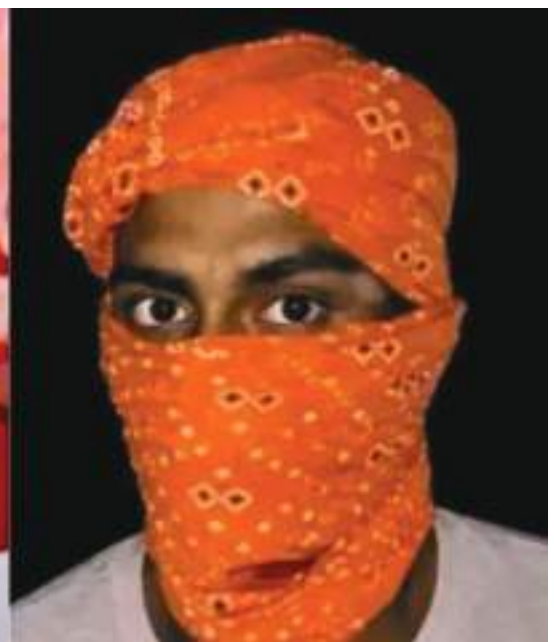
जमुई बदसलूकी केस में एनकाउंटर

‘एनकाउंटर से ही रुकेगा अपराध’

पिछले दिनों बिहार के जमुई में नाबालिग के साथ बदसलूकी हुई थी. घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. हालांकि पुलिस ने एनकाउंटर के नाम पर मुख्य आरोपी नंदन यादव को पैर में गोली मार दी. जिसके बाद इसको लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है. समाज का एक वर्ग इस एक्शन को सही बता रहा है तो दूसरा घड़ा पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहा है. कई रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर और कानून के जानकर भी एनकाउंटर को सही नहीं मानते हैं.

राजधानी पटना के रहने वाले बृजमोहन पांडे कहते हैं कि जिस तरह अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है, वैसे में एनकाउंटर जरूरी है. वह ये भी कहते हैं कि हाफ एनकाउंटर का कोई मतलब नहीं है. जबतक अपराधियों की हत्या नहीं होगी, उनको पुलिस का डर नहीं होगा. लिहाजा ऐसे बदमाशों की एनकाउंटर के नाम पर हत्या जरूरी है. हालांकि, उनकी व्यक्तिगत राय है क्योंकि कानून के मुताबिक पुलिस कार्रवाई और किसी व्यक्ति की जान लेने के बीच स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक जवाबदेही होती है.

“ये पैर में गोली मार दिये, उठाकर ले जाकर बंद कर दिए. इससे कुछ नहीं होने



वाला. बिहार का कायाकल्प तब होगी, जब एनकाउंटर के नाम पर हत्या की जाएगी, मारा जाएगा. प्रशासन जब दो-चार अपराधियों को मार देगा, तब अपराधियों में भय व्याप्त होगा. पुलिस को सख्त रवैया अपनाना होगा.” वहीं, बिहार में लगातार हो रहे पुलिस एनकाउंटर पर पूर्व डीजीपी अभयानंद ने गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि कानून की किताब में ‘एनकाउंटर’ नाम का कोई शब्द ही नहीं है. पुलिस को भी

कोई अलग शक्ति नहीं दी गई है. पुलिस हो या आम नागरिक, दोनों के लिए कानून में राइट ऑफ प्राइवेट डिफेंस यानी आत्मरक्षा का प्रावधान है. पूर्व डीजीपी अभयानंद ने कहा कि एनकाउंटर अंग्रेजी का शब्द है, जिसका सामान्य अर्थ मुठभेड़ है. यह मुठभेड़ पुलिस और आम लोगों के बीच भी हो सकती है और दो आम लोगों के बीच भी लेकिन पुलिस के लिए एनकाउंटर करने की कोई

अलग कानूनी शक्ति नहीं है. वे कहते हैं कि कानून के तहत आत्मरक्षा में बल का इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन इस अधिकार को पुलिस के लिए किसी अलग ‘एनकाउंटर पावर’ के रूप में नहीं देखा जा सकता. अभयानंद कहते हैं कि आत्मरक्षा का अधिकार तभी तक है, जब तक वास्तव में आत्मरक्षा की परिस्थिति मौजूद है. उनका सवाल है कि जिन घटनाओं को पुलिस एनकाउंटर बताती है।



समस्तीपुर नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला

4 हैवान भेजे गए जेल, घर पर चला बुलडोजर

हियर के समस्तीपुर जिले के कर्पूरी ग्राम थाना इलाके में एक नाबालिग किशोरी के साथ कथित बदनसलूकी करने के आरोप में पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और महज छह घंटे के अंदर आरोपियों को पकड़ लिया।

तीसरा आरोपी रामबाबू सहनी जगतसिंहपुर गांव का रहने वाला है और चाय की दुकान चलाता है। चौथा आरोपी अवधेश पासवान बिजौलिया गांव का निवासी है। वे जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान चलाता है। पुलिस ने चारों के खिलाफ पोक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत कर्पूरी ग्राम थाने में मामला दर्ज किया।

पूछताछ के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है। समस्तीपुर के एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि इस वीडियो को एक-दूसरे से शेयर न करें। शेयर करने पर आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों में विकास कुमार शामिल है, जो जगतसिंहपुर गांव का रहने वाला है और शराब कारोबार से जुड़ा है। पुलिस ने बताया कि उस पर पहले से मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज है और वह जेल भी जा चुका है। राहुल कुमार भी जगतसिंहपुर गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार उस पर भी शराब से जुड़े मामले में मद्य निषेध अधिनियम के तहत आरोप

बिहार के समस्तीपुर कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और वायरल वीडियो मामले में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा कदम उठाया है। गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही आरोपियों के घरों और दुकानों के आसपास सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर एक्शन हुआ। आरोपी राहुल कुमार, रामबाबू सहनी और कर्पूरीग्राम के बिजौलिया निवासी अवधेश पासवान के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।



दर्ज हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार किशोरी बांध पर मोबाइल से रील बना रही थी। तभी कुछ युवक वहां पहुंचे और उसके साथ कथित छेड़खानी करने लगे। वीडियो में किशोरी खुद को बचाने की कोशिश करती दिख रही है।

उसने युवकों का विरोध किया, मदद के लिए आवाज लगाई और अपने भाई को बुलाने की बात कही। हालांकि इसके बावजूद युवकों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा और उसे जबरन घसीटने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान

गिरफ्तार आरोपियों के व्यावसायिक ठिकानों पर भी प्रहार किया गया। मुख्य आरोपी बिजौलिया गांव निवासी अवधेश पासवान की जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान का लाइसेंस रद्द कर दिया गया।



मंदार पर्वत पर लड़की से छेड़छाड़ के 3 आरोपी पकड़े गए, मनचलों ने जबरन रुपये भी वसूले

बांका जिले में स्थित प्रसिद्ध मंदार पर्वत पर लड़की से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। वीडियो जुलाई महीने का बताया जा रहा है। मनचलों ने लड़की से मारपीट कर जबरन रुपये भी वसूले थे।

बिहार के बांका जिले में मंदार पर्वत पर लड़की से सरेआम छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने 3 युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़िता अपने दो दोस्तों के साथ मंदार पर्वत घूमने गई थी। उसी दौरान मनचलों ने उनके साथ बदसलूकी की। आरोपियों ने पीड़िता से फोनपे पर 1500 रुपये जबरन ऑनलाइन ट्रांसफर भी करवाए। रुपये लेने के बाद ही लड़की और उसके दोस्तों को वहां से जाने दिया गया। मंदार पर्वत पर छेड़छाड़ का वीडियो 3 दिन पहले वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया था। घटना हाई महीने पहले की बताई जा रही है।

बांका के एसपी अमितेश कुमार ने कहा कि यह वीडियो 22 सितंबर को बौंसी थाना पुलिस की नजर में आया था। वायरल वीडियो में दृश्य मंदार पर्वत का लग रहा था। इसके बाद बौंसी थानाध्यक्ष ने इसकी जांच

शुरू की। पुलिस टीम मंदार पर्वत पहुंची और जांच के दौरान वीडियो वाली जगह पहाड़ की ही मिली। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एसपी ने कहा कि पुलिस ने वायरल

रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। बांका पुलिस का कहना है कि यह घटना 3 जुलाई 2026 की है। पीड़िता अपने दो दोस्तों के साथ मंदार पर्वत घूमने

और गाली-गलौज भी की। एसपी ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उन्होंने खुद पीड़िता से बात की। उसका बयान दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने भी पुलिस पर पूरा भरोसा जताया है। पुलिस



मंदार पर्वत ऐतिहासिक और प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल है। यह हिंदू, जैन और बौद्ध तीनों धर्मों के अनुयायियों के लिए पवित्र स्थल माना जाता है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन को पहुंचते हैं। मंदार पर्वत पर जैन और हिंदू मंदिर भी बने हुए हैं। ऐसे में इस जगह पर लड़की से छेड़छाड़ की घटना ने शर्मसार कर दिया है।

वीडियो में नजर आ रहे लोगों की पहचान में जुट गई। इसी दौरान गुरुवार रात को फुटेज में दिख रहे तीन युवकों के बारे में जानकारी मिल गई। ये तीनों बाराहाट थाना क्षेत्र के

गई थी। वायरल वीडियो में अब्दुल्ला, नीतीश कुमार राय और विकास कुमार नाम के लड़के उनके साथ अभद्र व्यवहार करते नजर आए। आरोपियों ने पीड़िता का हाथ पकड़ा

मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।



भूमिहीनों के लिए 'बसेरा अभियान 2.0' में 3 डिसमिल जमीन के लिए आवेदन शुरू

धूप में तपते चेहरे, हाथों में आवेदन के कागज और आंखों में अपने आशियाने का सपना, मसौढ़ी अंचल में इन दिनों कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है. बसेरा अभियान 2.0 के तहत भूमिहीन परिवारों को 3 डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने के लिए आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है. आवेदन जमा करने के लिए अंचल कार्यालय और विशेष शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं.

मसौढ़ी प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से भूमिहीन परिवार आवेदन जमा करने के लिए शिविरों में पहुंच रहे हैं. बुधवार को भी बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में जरूरी कागजात लेकर अपनी बारी का इंतजार करती दिखाई दीं. कई लोगों के लिए यह सिर्फ एक आवेदन नहीं, बल्कि लंबे समय से देखे जा रहे पक्के घर के सपने की पहली सीढ़ी है.

“बसेरा अभियान 2.0 के तहत भूमिहीनों को 3 डिसमिल जमीन देने के लिए अभी आवेदन लिया जा रहा है, उसके बाद पात्र लाभ को की स्थलीय निरीक्षण होगी जांच के दौरान जो पात्र होंगे उन्हें जमीन दिया

जाएगा. फिलहाल 10 नवंबर तक आवेदन लिया जा रहा है.”- ऋषिकेश कुमार, अंचल अधिकारी, मसौढ़ी

मसौढ़ी के अंचल अधिकारी ऋषिकेश कुमार के मुताबिक, अभियान के तहत

भौतिक सत्यापन कराया जाएगा. उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान जो परिवार निर्धारित मानकों के अनुसार पात्र पाए जाएंगे, उन्हें नियमानुसार निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई

कई भूमिहीन परिवार लंबे समय से नहर, आहर और पड़न के किनारे अस्थायी ठिकाने बनाकर रहने को मजबूर हैं. ऐसे परिवारों के लिए तीन डिसमिल जमीन मिलने की उम्मीद बड़ी राहत लेकर आई है. हालांकि,



आवेदन लेने की प्रक्रिया 10 नवंबर तक चलेगी. अब तक 1000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं. सभी आवेदनों की जांच और

जाएगी. इसके लिए अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी, अमीन और सुरक्षा कर्मियों को भी शिविरों में तैनात किया गया है. मसौढ़ी के

अभी प्रक्रिया आवेदन और सत्यापन के स्तर पर है. जमीन का वास्तविक आवंटन पात्रता जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा.



झारखंड के 2,526 शिक्षकों और अफसरों को शोकाँज नोटिस

झारखंड में स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हाउसहोल्ड सर्वे की प्रगति पर सवाल खड़े हो गए हैं। राज्य के 14 जिलों में 1322 स्कूल ऐसे मिले हैं, जहां सर्वे का काम निर्धारित समय में पूरा नहीं हो सका। इनमें 870 स्कूलों में सर्वे की शुरुआत तक नहीं हुई, जबकि 452 स्कूलों में प्रक्रिया बीच में ही रुक गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों की जवाबदेही तय की है। कुल 2470 शिक्षकों और 56 अधिकारियों को शोकाँज जारी किया गया है। अधिकारियों में संबंधित जिलों के जिला शिक्षा अधीक्षक, एसीपी, आउट ऑफ स्कूल प्रभाग के प्रभारी और एसएमसी प्रभाग के प्रभारी शामिल हैं। सभी से 28 सितंबर तक अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। तय समय सीमा में जवाब नहीं मिलने पर वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी।

शशि रंजन ने स्पष्ट किया है कि सर्वे जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही को केवल प्रगति की कमी के तौर पर नहीं देखा जा सकता। स्कूल से बाहर बच्चों की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए

घर-घर सर्वे जरूरी है। इसलिए संबंधित स्तर पर जिम्मेदारी तय करते हुए काम को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

सर्वे की स्थिति देखें तो दुमका सबसे

इसके अलावा साहिबगंज के 30, पश्चिमी सिंहभूम के 27, गुमला के नौ, खूंटी के सात, लातेहार के चार, धनबाद और गढ़वा के दो-दो स्कूलों में भी काम पूरा नहीं हुआ। राज्य स्तर पर 2470 शिक्षक सर्वे पूरा नहीं

शिक्षक सर्वे पूरा नहीं कर सके। राज्य कार्यालय ने 27 अगस्त को भी सर्वे की धीमी प्रगति को लेकर जिलों से स्पष्टीकरण मांगा था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रांची को छोड़कर किसी



पीछे है। यहां 535 स्कूलों में काम पूरा नहीं हुआ है। पलामू के 379 और पाकुड़ के 140 स्कूल भी निर्धारित लक्ष्य से पीछे हैं। देवघर में 57, गोड्डा में 51, गिरिडीह में 45 और लोहरदगा में 34 स्कूलों में सर्वे अधूरा है।

कर पाए हैं। इनमें 1930 शिक्षकों ने सर्वे शुरू नहीं किया, जबकि 540 ने काम शुरू करने के बाद उसे पूरा नहीं किया। दुमका में सबसे ज्यादा 1027 शिक्षक इस सूची में हैं। पलामू में 722 और पाकुड़ में 278

सर्वे के बाद चिह्नित बच्चों को दोबारा स्कूल से जोड़ने की जिम्मेदारी एसएमसी और पीटीएम स्तर पर भी तय की गई है। इसके बावजूद बैठकों में ड्रॉप बॉक्स में दर्ज ड्रॉपआउट बच्चों और पहले से चिह्नित स्कूल से बाहर बच्चों की सूची पर अपेक्षित चर्चा नहीं हुई। बैठकों का आयोजन होने के बावजूद अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों का दोबारा नामांकन कराने की प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ सकी।

अन्य जिले के जिला शिक्षा अधीक्षक ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद विभाग ने दोबारा जवाबदेही तय करते हुए संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को शोकाँज किया है।



रांची में हो रही झमाझम बारिश से लबालब भरे डैम

कांके के बाद गेतलसूद डैम का खोला गया फाटक

बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन के बाद बना सिस्टम आज सुबह 5.30 बजे उत्तर पूर्वी (North-East) मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ के पास पहुंच गया है। अब यह उत्तर की ओर बढ़ रहा है। इस सिस्टम के असर से रांची में आज भी तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। लगातार हो रही इस बारिश का असर राजधानी के तीन बड़े डैम के जलस्तर पर पड़ा है।

रुक्का-गेतलसूद डैम का जलस्तर बढ़ने के बाद आज सुबह करीब आठ बजे डैम के दो फाटक 04 इंच खोल तक खोल दिए गए, ताकि डैम के तट पर पानी का दबाव न पड़े और वह सुरक्षित रहे। जबकि कांके डैम का एक फाटक 23 सितंबर से ही 4 इंच तक खुला रखा गया था, जिसे बीच में 2 इंच कर दिया गया था। कल से हो रही जोरदार बारिश की वजह से अब इसे 6 इंच तक खोला दिया गया है। इस मानसूनी सीजन में यह चौथी बार है। जब कांके डैम के फाटक को खोलना पड़ा है।

कांके डैम के इंचार्ज नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि लगातार हो रही बारिश की वजह से डैम का जलस्तर

28 फीट हो जाने के बाद फाटक को 2 इंच से बढ़ाकर 6 इंच तक खोलना पड़ा है। उन्होंने बताया कि 28 फीट क्षमता वाले डैम में शनिवार सुबह जलस्तर 28 फीट हो जाने के बाद सुबह सात

को पार कर गया है। हटिया डैम के जेई ने बताया कि अभी जलस्तर डैम अपने उच्च क्षमता के करीब है। डैम के सेफ्टी पॉइंट ऑफ व्यू और कचरा पानी के साथ निकल जाए, इसलिए

अभी पानी का स्तर गेट से नीचे है। डैम के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। रुक्का-गेतलसूद डैम के सहायक अभियंता जॉन बोदरा ने बताया कि लगातार बारिश की



उन्होंने बताया कि इस सीजन में रुक्का-गेतलसूद डैम का फाटक तीसरी बार खोला गया है। बता दें कि राजधानी रांची के सबसे बड़े क्षेत्र में जलापूर्ति करने वाला डैम रुक्का-गेतलसूद डैम ही है, जहां से राजधानी की तकरीबन आधी आबादी के घरों में जलापूर्ति करता है।

बजे से ज्यादा मात्रा में पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। वहीं, रांची के धुर्वा स्थित 39 फीट क्षमता वाले हटिया डैम का जलस्तर भी 36 फीट के निशान

स्क्रबर वाल्व को कल ही खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि हटिया डैम की क्षमता 39 फीट की है, लेकिन गेट की अधिकतम ऊंचाई 38 फीट है और

वजह से 36 फीट क्षमता वाले डैम का जलस्तर 34.3 फीट पहुंच जाने के बाद शनिवार को डैम के दो फाटक 04-04 इंच खोल दिया गया है।



भारत में बहने वाली नदियों का 35% हिस्सा प्रदूषित, करोड़ों खर्च, फिर भी 'संकट' बरकरार

हर साल सितंबर माह के चौथे रविवार को विश्वभर में नदी दिवस मनाया जाता है। इस साल नदी दिवस 27 सितंबर को है। नदी की अविरल धारा और स्वच्छता को लेकर किए गए प्रयासों और आगे के अभियानों पर चर्चा की जाएगी। भारत को नदियों की धरती कहा जाता है। यहां छोटी-बड़ी लगभग 200 मुख्य नदियां हैं। भारत में नदियों का विशेष धार्मिक महत्व भी है। साथ ही इसे देवी और मां का दर्जा प्राप्त है। हिंदू धर्म में यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, गोदावरी, नर्मदा, कृष्णा, महानदी, रावी, सतलुज, ताप्ती, विवस्ता, सरस्वती, कुंभा आदि जैसी नदियों को भी श्रेष्ठ माना गया है।

देश के भीतर 45043 किलोमीटर में बहने वाली नदियों में 12363 किलोमीटर की स्थिति ऐसी है कि यह किसी न किसी रूप में प्रदूषित हो चुकी है। कह सकते हैं कि 35% हिस्सा नदियों का प्रदूषित हो चुका है और 65% पर ध्यान नहीं दिया गया, तो जिस तरह की स्थितियां दिनों दिन बनती जा रही है उसमें नदियों को बचाने और स्वच्छता के लिए सरकार के चलाए जा रहे उपाय हों या जन जागरूकता, उसके बाद भी प्रदूषण रोक नहीं पाएंगे। इस बार की थीम- नो फॉरेस्ट, नो रिवर, नो लाइफ : नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के एकेडमिक काउंसिल के मेंबर और जाने-माने पर्यावरणविद् प्रोफेसर गोविंद पांडेय ने बताया कि विश्व नदी दिवस हमें यह संदेश देता है कि नदियों का हमारे

जीवन में कितना महत्व है। उस महत्व को बनाये रखने के लिए इसको प्रदूषण मुक्त बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस बार की थीम नो फॉरेस्ट, नो रिवर, नो लाइफ है। मतलब बिना जंगल के न तो

के किनारों के शहर और उद्योगों के अपशिष्ट जल को शोधित करके जब तक नदियों में प्रवाहित नहीं किया जाएगा, सरकार के नदी स्वच्छता अभियान को सफलता नहीं मिल पाएगी। साथ ही लोगों को भी

से नदी एक्शन प्लान सरकार ने गठित किया जिसके तहत गंगा, यमुना, गोदावरी की सफाई पर लाखों-करोड़ रुपए खर्च हुए। लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि नदियां 35% प्रदूषित हो चुकी हैं। प्रोफेसर गोविंद



नदियों का कोई भविष्य है और न ही जीवन है। गोरखपुर में तीनों नदियों और रामगढ़ ताल में 13 नालों से जा रहा गंदा पानी। (Photo Credit: ETV Bharat) नदियों को बचाने के लिए वनों को बचाना जरूरी : ऐसे में हमें नदियों को बचाने के लिए वनों को बचाए रखना भी बहुत जरूरी है। वन के होने से नदियों में गाद नहीं जाएगी और नदियां सुरक्षित रहेंगी। नदियों

स्वच्छता को लेकर जागरूक रहना होगा। सफाई पर लाखों-करोड़ों खर्च, नतीजा नाकाफी : उन्होंने कहा कि भारत में नदियों का पौराणिक और धार्मिक महत्व है। यहां गंगा, यमुना, गोदावरी समेत सभी नदियों को लोग पूजते हैं। फिर भी उसके प्रदूषण में लोगों की सहभागिता बड़े स्तर की देखी जाती है, इसके लिए परिस्थितियों चाहे जो भी बनती हों। अपने देश में 1980 के दशक

4 हजार बिलियन क्यूबिक मीटर वर्षा जल प्रकृति के माध्यम से हमें प्राप्त है, जो विश्व में भारत में सर्वाधिक है। जिसमें 1953 बिलियन क्यूबिक मीटर जल महासागर में जाकर मिल जाता है और 0.008 प्रतिशत जल ही नदियों में पहुंचता है। जिसका उपयोग हम कई प्रकार से करते हैं जिसमें सिंचाई से लेकर विद्युत उत्पादन जैसे स्रोत शामिल हैं।

पांडेय ने बताया कि विश्व नदी दिवस का संकल्प संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2005 में लिया गया था। कनाडा के प्रसिद्ध विद्वान मार्क एंजेलु ने यह प्रस्ताव दिया था कि हमें विश्व नदी दिवस मनाया जाना चाहिए और नदियों के संरक्षण के लिए जन चेतना जागृत करना चाहिए। इस परिप्रेक्ष्य में तय हुआ कि विश्व नदी दिवस सितंबर माह के चौथे रविवार को मनाया जाएगा।



PM मोदी और CM योगी की मुलाकात

सियासी हलकों में बड़ी हलचल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक महत्वपूर्ण दौर के तहत देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। आगामी वर्ष में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए मुख्यमंत्री का यह दिल्ली दौरा राजनीतिक गलियारों में खासी चर्चा का विषय बना हुआ है। इस उच्चस्तरीय मुलाकात को चुनावी रणनीतियों और राज्य के संगठनात्मक मुद्दों के संदर्भ में बेहद अहम माना जा रहा है।

राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी अभी से तेज होने लगी है। पिछले चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर दोबारा सत्ता में आई पार्टी के सामने आगामी चुनाव में अपने विजय रथ को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है। ऐसे में मुख्यमंत्री की इस दिल्ली यात्रा और शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनकी इस मंत्रणा को चुनावी तैयारियों की नींव मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई इस बैठक के दौरान राज्य की राजनीतिक दिशा, प्रशासनिक मुद्दों और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा होने के कयास लगाए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में मुख्यमंत्री

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात की खबर सामने आने के बाद से ही उत्तर प्रदेश की सियासत में विभिन्न प्रकार के कयासों का दौर शुरू हो गया है। हालांकि आधिकारिक रूप से इस बैठक के एजेंडे की विस्तृत जानकारी

उठाए जा सकते हैं, जिससे आगामी चुनावों की रूपरेखा स्पष्ट होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस मुलाकात की जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, “विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री



और केंद्रीय नेतृत्व के बीच का यह समन्वय हमेशा से निर्णायक रहा है, और चुनाव से ठीक पहले इस तरह की बैठकें पार्टी की भावी दिशा तय करने में

सामने नहीं आई है, लेकिन जानकारों का मानना है कि इस मुलाकात के बाद राज्य में पार्टी संगठन और सरकार के स्तर पर कई बड़े राजनीतिक कदम

8 अगस्त को भी सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की थी। इन मुलाकातों को अब चुनाव के नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। बीजेपी चुनाव को लेकर लगातार रणनीति बनाने से लेकर संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। चुनाव को लेकर बीजेपी युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटी हुई है।

नरेंद्र मोदी से आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।” उन्होंने आगे लिखा, “आपका मार्गदर्शन ‘नए उत्तर प्रदेश’ के निर्माण हेतु मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है।”



झारखंड के मुख्यमंत्री को हाई कोर्ट से झटका

जमीन खरीद मामले में खारिज कर दी सोरेन की याचिका

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने जमीन खरीद मामले में अपने खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।

झारखंड हाई कोर्ट ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने यहां विशेष पीएमएलए अदालत में जमीन खरीद मामले में अपने खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। हाई कोर्ट ने बुधवार को सोरेन की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिसमें उन्होंने विशेष पीएमएलए अदालत द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। इस याचिका में उन्होंने रांची के बड़गाई क्षेत्र में 8.86 एकड़ जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और हस्तांतरण से जुड़े आपराधिक मामले में अदालती कार्यवाही से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था।

सोरेन ने इससे पहले विशेष अदालत में आपराधिक कार्यवाही

से मुक्त किए जाने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे आठ जून को खारिज कर दिया गया था। इसके

अधिग्रहण के संबंध में धनशोधन का मामला दर्ज किया है। सोरेन के वकील ने हाई कोर्ट से निचली

ईडी को इस मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। विशेष अदालत मामले में पहले ही आगे की



बाद उन्होंने 31 अगस्त को उस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अवैध

अदालत में जारी कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया। हाई कोर्ट ने हालांकि नौ सितंबर को इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया और

कार्यवाही कर चुकी है और सह-आरोपी अंतु तिकी, वास्तुकार विनोद कुमार सिंह तथा 15 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय कर चुकी है।



युवाओं के लिए झारखंड सरकार का प्लान

12वीं पास को देंगे ट्रेनिंग; रोजगार का प्लान

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार 12वीं पास बच्चों को तकनीकी प्रशिक्षण देगी, ताकि युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित हो सके। नई पीढ़ी को रास्ता दिखाने और उसे करियर निर्माण के नए आयाम से जोड़ने के लिए सरकार काम कर रही है। इसी की एक कड़ी प्लेसमेंट लिंक्ड बेस्ट प्रोग्राम 'टेक बी' है।

सीएम बुधवार को झारखंड मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और एचसीएल टेक के बीच हुए एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह एमओयू 12वीं पास बच्चों को सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में करियर बनाने को प्रशिक्षण देने के साथ उनके प्लेसमेंट और उच्च शिक्षा देने की पहल है।

सीएम ने कहा कि इस पहल से युवाओं को आईटी क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य का सपना साकार करने का मौका मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे पूरे लगन से इस प्रोग्राम का हिस्सा बनें और करियर को दिशा दें। उन्होंने निर्देश दिया कि इस पहल की सभी जानकारीयों विद्यार्थियों तक पहुंचाने की होस पहल करें। इस

अवसर पर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, मुख्य सचिव अलका तिवारी, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह,

सुब्बारमण बालासुब्रमण्यम मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चों को पढ़ाई में आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए गुरुजी

कोर्स, इस योजना के तहत बिना किसी गारंटी के आपको 15 लाख रुपये तक का लोन मिलेगा। सरकार की ओर से आप सभी को हर स्तर पर सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों में



झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन और एचसीएल टेक के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट

क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई है। चाहे आप इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हों या मैनेजमेंट अथवा कोई और

प्रतिभा और हुनर की कमी नहीं है। बस उन्हें सही रास्ता दिखाने की जरूरत है, ताकि वे आगे बढ़ सकें।



सहकार से समृद्धि
आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर कृषि



इफको नैनो यूरिया प्लस और इफको नैनो डी.ए.पी. का बादा

लागत कम और लाभ ज्यादा

FCO अधिसूचित दुनिया का पहला नैनो उर्वरक

500 मिली
बोतल मात्र
₹ 225/- में

500 मिली
बोतल मात्र
₹ 600/- में

इफको
नैनो
यूरिया
प्लस
(तरल)



इफको
नैनो
डी.ए.पी.
(तरल)

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड, राँची (झारखण्ड)

राज्य विपणन कार्यालय: एम1 (डी/एस) हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची-834002

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 1800 103 1967; वेबसाइट : www.nanourea.in / www.nanodap.in



उत्तराखंड पंचायतों के खाली पदों पर उपचुनाव का हुआ ऐलान, 12 अक्टूबर को होगी वोटिंग

उत्तराखंड में पंचायतों के खाली पदों को भरने के लिए उपचुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार सदस्य ग्राम पंचायत, प्रधान ग्राम पंचायत और सदस्य क्षेत्र पंचायत के कुल 3,922 पदों पर चुनाव कराया जाएगा। इन पदों के लिए 12 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना और परिणामों की घोषणा 14 अक्टूबर को की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के लिए जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हरिद्वार जिला छोड़ बाकी प्रदेश के 12 जिलों साल 2025 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हुआ था। जिसके बाद से ही अलग-अलग कारणों से लंबे समय से पंचायतों के तमाम पद खाली चल रहे हैं। जिनमें ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के पद शामिल हैं। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत सदस्य के 3,890 पद, ग्राम प्रधान के 23 पद और क्षेत्र पंचायत सदस्य

के 9 पदों पर उपचुनाव होना है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव के लिए

समय, 30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। 3 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की

साथ ही परिणाम घोषित किए जाएंगे। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। हरिद्वार



उपचुनाव कार्यक्रम जारी होने के बाद जिला स्तर पर निर्वाचन तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मतदान केंद्रों की व्यवस्था, कार्मिकों की तैनाती, मतपत्रों की तैयारी और सुरक्षा प्रबंधों को लेकर संबंधित विभागों को जिम्मेदारी दी जाएगी। 30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। 3 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 4 अक्टूबर की नाम वापसी की अंतिम तिथि रखी गई है।

नामांकन प्रक्रिया 26 सितंबर से शुरू हो गई है। ऐसे में उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर संबंधित निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने का

जांच होगी। 4 अक्टूबर की नाम वापसी की अंतिम तिथि रखी गई है। 5 अक्टूबर को चुनाव चिन्हित आवंटन किया जाएगा। इसके साथ ही 12 अक्टूबर को मतदान होगा और 14 अक्टूबर को मतगणना के

जिले को छोड़कर राज्य के अन्य 12 जिलों में पंचायत चुनाव कराए गए थे। चुनाव के बाद खाली रह गए पदों और बाद में खाली हुए पदों को भरने के लिए अब उपचुनाव कराया जा रहा है।



पीएम ने मन की बात में सर्जिकल स्ट्राइक स्वच्छता पर्यावरण समेत कई विभिन्न विषयों पर चर्चा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र ने आज सितंबर के आखिरी रविवार को अपने चर्चित रेडियो कार्यक्रम में मन की बात की। इस दौरान उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, स्वच्छता, पर्यावरण समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने कहा, 'मन की बात' के इस सितंबर एडिशन में मुझे एक बार फिर आपसे जुड़ने का मौका मिला है। मैं देश के सभी लोगों का स्वागत करता हूँ। 'मन की बात' में हम अपने देशवासियों की अच्छी कोशिशों को एक मंच देते हैं। हम देश की कामयाबियों के बारे में बात करते हैं।

भारत की ऐसी ही एक बड़ी ऐतिहासिक कामयाबी एक दिन में 10 साल पूरे करने वाली है। यह कामयाबी है सर्जिकल स्ट्राइक, दस साल पहले, 28-29 सितंबर 2016 को, भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। दुनिया यह देखकर हैरान रह गई थी कि कैसे हमारे बहादुर सैनिकों ने लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पार करके आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आतंकवादी हमलों ने भारत को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाया है। एक समय था जब

भारत में सीरियल ब्लास्ट आम बात थी। इसी सितंबर महीने में 13 सितंबर 2008 को दिल्ली में हुए सीरियल ब्लास्ट में कई बेगुनाह नागरिक मारे गए थे। इसके कुछ ही हफ्तों बाद मुंबई में 26/11 जैसा

जाता था। लोग समय बीतने का इंतजार करते थे। अब आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी के साथ आगे बढ़ रहा है, और हम इसके नतीजे भी देख रहे हैं।'



बड़ा हमला हुआ। दोस्तों, पहले भी हर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाती थी, लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियों इन दिनों देश की एक बहुत बड़ी तस्वीर बन रही है। इस तस्वीर में आप भी हैं, आपका परिवार भी है, और

आपके पड़ोसी भी हैं। मैं भारत के संसद की बात कर रहा हूँ, देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसका पहला फेज लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों की जानकारी पहले

1026 में जब गजनी ने सोमनाथ को नष्ट किया था, उसी साल गुजरात के मोढेरा के मशहूर सूर्य मंदिर पर भी हमला करके उसे तोड़ दिया गया था। इसका मतलब यह भी है कि इस साल मोढेरा मंदिर के विनाश के एक हजार साल पूरे हो रहे हैं। हालाँकि, उस समय यह मंदिर सिर्फ एक साल पहले बना था। साल पहले, राजा भीमदेव ने 1025 में यह मंदिर बनवाया था।'

ही रिकॉर्ड हो चुकी है। इन दिनों यह काम लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के मुश्किल और बर्फीले इलाकों में भी चल रहा है।



खुले रहेंगे बैंक, टल गई हड़ताल

IBA और UFBU के बीच बातचीत के बाद बड़ा फैसला

इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) से अपनी मांगों पर भरोसा मिलने के बाद जिसमें हफ्ते में पांच दिन काम करना भी शामिल है, बैंक यूनियनों ने अपनी तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल टाल दी. देशव्यापी हड़ताल सोमवार यानी आज से शुरू होने वाली थी. इससे कारोबारी समेत आम लोगों को बड़ी राहत मिली है. हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने किया था. हड़ताल टालने के साथ बैंक सोमवार यानी आज से काम करेंगे. यूएफबीयू ने एक बयान में कहा, 'यह समिति सभी संभावित विकल्पों का पता लगाएगी, सभी हितधारकों के साथ चर्चा करेगी और सभी हितधारकों और अधिक महत्वपूर्ण रूप से ग्राहकों के लिए स्वीकार्य समाधान निकालेगी.'

इस फैसले की घोषणा यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 27 सितंबर को रात 9:30 बजे IBA के साथ मीटिंग के बाद जारी एक सर्कुलर में की. स्केल IV और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) स्कीम पर दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि यूनियनों और

एसोसिएशन द्वारा उठाए गए आपत्तियों को दूर करने के लिए इंडियन बैंक्स एसोसिएशन द्वारा सरकार को बदलाव

की जाएगी. सर्कुलर में आगे कहा गया, 'इन बातों को देखते हुए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस इस बात पर सहमत

यूएफबीयू हिमाचल प्रदेश के संयोजक और बैंकर्स यूनाइटेड फोरम ऑफ हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने



का प्रस्ताव देने के साथ चर्चा शुरू हो सकती है.

सर्कुलर में कहा गया है कि 8 मार्च, 2024 के मिनट्स में बताए गए बाकी मुद्दों पर भी जल्द समाधान के लिए चर्चा

हुआ कि प्रस्तावित आंदोलनकारी प्रोग्राम और हड़ताल की कार्रवाई टाल दी जाएगी. 'यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने शुक्रवार को तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की थी.

समझौते पर साइन हुए ढाई साल से भी ज्यादा समय हो गया है, लेकिन इसमें किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं. इसलिए हमारे पास आंदोलन का सहारा लेने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है.' उन्होंने आगे कहा, 'हम यह साफ करना चाहते हैं कि बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों का कस्टमर्स को परेशान करने का कोई इरादा नहीं है.

कहा कि यूनियनों को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि ढाई साल से भी पहले सरकार के साथ हुए समझौते में किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं.



दिव्यांग बच्चों के बीच जन्मदिन मनाने पहुंचे CM धामी

मासूमों का प्यार देख हुए भावुक

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अपने जन्मदिन के मौके पर देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान पहुंचकर दिव्यांग बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके साथ काफी समय बिताया। इस दौरान बच्चों का स्नेह देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गईं। मुख्यमंत्री धामी को अपने बीच देखकर संस्थान के बच्चे काफी उत्साहित और खुश नजर आए। उन्होंने बच्चों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने बच्चों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित भी किया। बच्चों के साथ बातचीत और उनके स्नेह के बीच मुख्यमंत्री धामी भावुक हो गए। इस दौरान उनकी आंखें नम हो गईं। बच्चों की खुशी और उनके साथ बिताए समय ने उनके जन्मदिन को खास बना दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बच्चों के बीच बिताया गया समय उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का प्यार और उनके चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी उनके लिए



जन्मदिन का सबसे खास और यादगार उपहार है। उन्होंने कहा, 'प्रत्येक बच्चे में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। समाज की जिम्मेदारी है कि दिव्यांग बच्चों को समान अवसर और सम्मान मिले। उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना भी हमारी जिम्मेदारी है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बीच बिताया गया समय उन्हें नई

ऊर्जा और प्रेरणा देता है। बच्चों का स्नेह और उनके चेहरों की खुशी उनके लिए जन्मदिन का सबसे विशेष और यादगार उपहार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग बच्चे भी प्रतिभा और क्षमता से भरपूर हैं। जरूरत इस बात की है कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने के लिए सही अवसर मिलें। उन्होंने समाज से दिव्यांग बच्चों को सम्मान देने और उनके

लिए बेहतर माहौल बनाने की जिम्मेदारी निभाने की बात कही।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में उनकी पत्नी गीता पुष्कर धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और संस्थान के शिक्षक भी मौजूद रहे। दिव्यांग बच्चों के बीच जन्मदिन मनाने पहुंचे सीएम धामी, भावुक होकर आंखें हुई नम।



वोट चोरी के आरोपों पर दिल्ली की CM ने कहा- ECI अच्छा काम कर रहा

विपक्षी दलों की मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चुनाव आयोग को क्लीन चीट दे दी है। गुप्ता ने रविवार को 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में लोगों को गुमराह करने के मकसद से ऐसे हालात बनाने की कोशिश की जा रही है। अपने जन सेवा सदन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि एक समाचार रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग के खिलाफ सवाल उठाए जा रहे हैं।

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। जबकि चुनाव आयोग ने खुद ही मामले को स्पष्ट किया है और अपनी प्रक्रिया के बारे में बताया है।

मुख्यमंत्री गुप्ता की ये टिप्पणियां कांग्रेस और कई अन्य दलों और संगठनों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के बाद आई हैं। विपक्षी दलों ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' की हालिया रिपोर्ट के बाद सीईसी के इस्तीफे की मांग की है। अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीने की अवधि में कम से कम 14 बार SIR प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग के

कामकाज पर औपचारिक रूप से आपत्ति जताई थी।

इंडियन एक्सप्रेस की जांच में दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों ने फॉर्म 6 में

शुरुआत में हुए पिछले SIR के दौरान वोटर लिस्ट में था या नहीं। उन्होंने दावा किया कि लोग कहते हैं कि बहुत सारे वोट काट दिए गए हैं। जो लोग दूसरी जगह चले गए

चाहिए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग पारदर्शिता के साथ काम कर रहा है और उठाए गए सवालों पर अपना जवाब जनता के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि



मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) के तहत फॉर्म 6 के साथ एक अलग घोषणापत्र भी दिया गया है। वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाने के आरोपों पर मुख्यमंत्री गुप्ता ने दावा किया कि नाम तब हटाए गए जब लोग दूसरी जगह चले गए या उनकी मौत हो गई।

किए गए बदलावों पर सवाल उठाए थे और उन्हें गैर-कानूनी और अनधिकृत बताया था। इन बदले हुए फॉर्म में यह जानकारी मांगी गई थी कि क्या आवेदक या उनके माता-पिता का नाम 2000 के दशक की

हैं, जो अब जीवित नहीं हैं- क्या आप ऐसे लोगों के लिए वोटिंग करवाएंगे? इसी तरह ऐसे नाम हटाए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वोटर लिस्ट को अपडेट करने को 'वोट की चोरी' के तौर पर नहीं दिखाया जाना

चुनाव आयोग बहुत अच्छा काम कर रहा है। दिल्ली की सीएम ने विपक्षी दलों से पूछा कि क्या उन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही देखी गई है जहां विपक्षी दल सत्ता में रहे हैं।



मंत्री प्रवेश वर्मा पर थप्पड़ मारने का आरोप

FIR की मांग कर रहे 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज

दिल्ली में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के बीच विवाद गहरा गया है। मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर पुलिस उपायुक्त कार्यालय की ओर पैदल मार्च निकाल रहे आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह को कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। थाने के बाहर धरने पर बैठे: पीड़ित साहिब सिंह ने विकासपुरी थाने में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मंत्री प्रवेश वर्मा ने उन्हें थप्पड़ मारा, उनका फोन पटक कर तोड़ दिया, उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। विकासपुरी थाने में शिकायत देने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने से नाराज आप नेता सौरभ भारद्वाज थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। इसके बाद 'आप' नेता और कार्यकर्ता डीसीपी कार्यालय के लिए पैदल मार्च निकालने लगे, जिन्हें रास्ते में ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

आप नेताओं का हमला: सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर सरेआम और कैमरे के सामने गुंडागर्दी करने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं होगी, तो इससे इनका मनोबल और बढ़ेगा। सारे सबूत मौजूद होने के बाद भी पुलिस

मंत्री प्रवेश वर्मा ने वीडियो जारी कर कहा, 'एक वीडियो जो आज चल रहा है आम आदमी पार्टी वाले चला रहे हैं उसके पीछे की सच्चाई जान लीजिए। विकासपुरी रिंग रोड पर रोड बनाने का काम चल रहा है। वहां के विधायक जरनैल सिंह द्वारा पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट के इंजीनियर्स को की हमको कॉन्ट्रैक्टर्स से मिलाइए और उनसे कमीशन दिलवाइए, ये वो काफी दिन से उनको बोल रहे थे। हमारे इंजीनियर ने उनके खिलाफ कंप्लेंट दी गई है'



आरोपी मंत्री पर कार्रवाई करने के बजाय शिकायत करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। वहीं विधायक जरनैल सिंह ने बताया कि मुख्य मुद्दा पीडब्ल्यूडी विभाग में हो रहा भ्रष्टाचार है। जैसे ही घटिया सड़क की पोल खुली, मंत्री ने अपना आपा खो दिया। अगर भाजपा में थोड़ी भी नैतिकता बची है, तो इस मामले की

सीबीआई जांच कराई जाए और मंत्री को तुरंत निलंबित किया जाए। पुलिस का कहना है कि उन्हें शिकायत प्राप्त हो चुकी है और मामले की प्राथमिक जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आम आदमी पार्टी के नेताओं का आरोप है कि पश्चिमी दिल्ली में आउटर रिंग रोड के पास सड़क निर्माण

में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का मुद्दा उठाने पर मंत्री प्रवेश वर्मा ने आपा खो दिया। शिकायतकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता साहिब सिंह के अनुसार, जब वह विधायक जरनैल सिंह के साथ मंत्री को निर्माण कार्य की खामियां दिखा रहे थे और उसका वीडियो बना रहे थे, तो मंत्री ने उनके साथ बदसलूकी की।



मात्र 200 रुपए में करें उज्जैन के सभी बड़े मंदिरों के दर्शन , सड़कों पर दौड़ी ई-बस

महाकाल की नगरी में रविवार का दिन सार्वजनिक परिवहन धार्मिक पर्यटन और विकास कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री महाकाल लोक से पीएम श्री ई-बस सेवा और उज्जैन दर्शन की शुरुआत की। साथ ही खुद भी बस में सफर किया। इसके साथ ही श्री महाकाल लोक पुलिस स्टेशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने उज्जैन जिले को 172.87 करोड़ रुपए के 15 विकास कार्यों की सौगात दी। जबकि सिंहस्थ 2028 की तैयारी के तहत 14.42 किलोमीटर लंबी सड़क, आरओबी और पुल निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उज्जैन में धार्मिक स्थलों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने की नई व्यवस्था सामने आई।

उज्जैन दर्शन सेवा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका निर्धारण धार्मिक पर्यटन सर्किट है। सेवा मेघदूत वन पार्किंग से शुरू होगी और महाकाल लोक, हरसिद्धि मंदिर, क्षिप्रा नदी, ऋण मुक्तेश्वर महादेव, भर्तृहरि गुफा, गढ़कालिका माता मंदिर, कालभैरव, सिद्धि वट, अंगारेश्वर मंदिर, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, भूखी माता, चिंतामन गणेश, अष्टविनायक, शनि नवग्रह, इस्कॉन

उज्जैन शहर में कुल 12 मार्गों में जो शैक्षणिक, धार्मिक, आवासीय और व्यवसायिक क्षेत्रों को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ेंगे उसमें तपोभूमि-पानविहार, उज्जैन रेलवे स्टेशन-कालियादेह महल, कानीपुरा-अभिलाषा कॉलोनी, देवास गेट-तपोभूमि, देवास-ताजपुर, देवास गेट-नए आरटीओ, महाकाल चौराहा-अभिलाषा कॉलोनी, देवास गेट-नानाखेड़ा, अवंतिका विश्वविद्यालय-नानाखेड़ा, देवास गेट-मुरलीपुरा, तपोभूमि-नजरपुरा और उज्जैन दर्शन मार्ग शामिल हैं।



मंदिर बस स्टैंड और उज्जैन रेलवे स्टेशन से होते हुए वापस मेघदूत वन पार्किंग पहुंचेगी। यह रूट लगभग 27.01 किलोमीटर है और इसका निर्धारित किराया 200 रु रखा गया है। कैश के

साथ यूपीआई भुगतान की व्यवस्था भी इसमें है। इस सेवा की खास बात यह है कि यात्री एक टिकट लेकर पूरे रूट में अलग-अलग बसों में सवार होकर दर्शन कर सकेंगे। टिकट भी आसानी से प्रमुख

मंदिरों और दर्शनीय स्थलों के नजदीक मिल जाएंगे। शुरुआत में 10 ई-बसें शुरू की गई हैं। बसों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी से जीपीएस तक होंगे।



मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सोया

बारिश के मिजाज से फीकी होती पीले सोने की चमक

देश के सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक राज्यों में शामिल मध्य प्रदेश में सोयाबीन का उत्पादन इस बार कम बारिश की वजह से एक बार फिर प्रभावित हो रहा है। शुरुआत में अच्छी फसल के बाद अब सोयाबीन की हालत बिगड़ रही है। मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा सोयाबीन मालवा में ही होती है। उज्जैन जिला प्रदेश में सबसे अधिक सोयाबीन की पैदावार करता है। इसके बाद धार का नंबर आता है। मध्य प्रदेश में एक दर्जन से ज्यादा जिले ऐसे हैं जहां औसत से कम बारिश हुई है और इसी के चलते यहां सोयाबीन की फसल तबाह हो रही है। खासतौर पर पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई जिले सूखे की चपेट में हैं।

ऐसे ही कुछ हालात इस साल महाराष्ट्र में भी दिख रहे हैं। यहां लगभग 20 जिलों में सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं। कई जिलों में लगभग महीने भर से बारिश नहीं हुई है। इसके चलते महाराष्ट्र के भी कई जिलों में सोयाबीन की फसल सूखने लगी है तो कई जिलों में सोयाबीन की फसल खराब हो चुकी है। ऐसे में यहां कई किसान सोयाबीन की खराब हो रही फसलों पर ट्रैक्टर चला रहे हैं तो कई किसान जानवरों को फसल खिला रहे हैं। ये दोनों ही राज्य देश में सबसे ज्यादा सोयाबीन की पैदावार करते हैं।

ऐसे ही कुछ हालात के चलते देश के सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश से पिछले साल यानि 2024-25 में सोया स्टेट का ताज छिन गया था और महाराष्ट्र

उज्जैन जिले में होता है। यहां की काली उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु इसके उत्पादन में मदद करती है। उत्पादन और रकबे के मामले में धार

कार्य शुरू हो गया है लेकिन उत्पादन आशा के अनुसार नहीं मिल रहा है। डेढ़ किंचटल प्रति बीघा से अधिकतम 3 किंचटल प्रति बीघा तक ही उत्पादन प्राप्त हो रहा



सोयाबीन के दाने छोटे-छोटे रह गए हैं। बारिश की कमी की वजह से अच्छी खासी फसल खराब हो गई है।" एक अन्य किसान घनश्याम पाटीदार का कहना है, "येलो मोजैक वायरस की वजह से भी सोयाबीन की फसल खराब हुई है। अच्छी क्वालिटी का सोयाबीन नहीं होने की वजह से मंडी में भी 3800 से 4200 रुपए प्रति किंचटल ही नया सोयाबीन बिक रहा है।"

राज्य पहले स्थान पर पहुंच गया था। अब इस बार भी दोनों राज्यों में वैसे ही हालात बन रहे हैं और दोनों राज्यों में किसे सोया स्टेट का दर्जा मिलेगा।

मध्य प्रदेश का मालवा क्षेत्र सोयाबीन की खेती के लिए सबसे प्रसिद्ध है। प्रदेश में सोयाबीन का सबसे ज्यादा उत्पादन

दूसरे स्थान पर आता है। इसके अलावा इंदौर, देवास, सीहोर, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, रायसेन और विदिशा सोयाबीन के बड़े उत्पादक जिलों में शुमार होते हैं। रतलाम के करमदी गांव के किसान राजेश पुरोहित ने बताया, "मालवा क्षेत्र में कई जगह सोयाबीन हार्वेस्टिंग का

है। जबकि इस बार 4 किंचटल से अधिक उत्पादन प्रति बीघा मिलने की उम्मीद थी। नई सोयाबीन के दाम भी काम मिल रहे हैं जिसकी मुख्य वजह सोयाबीन की क्वालिटी खराब होना है। अगले वर्ष के लिए बोने के लायक सोयाबीन भी नहीं हो पाया है।"



27 लाख नाम कटने की जिम्मेदार ममता : शुभेंद्र

एसआईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर सवाल उठने के बाद बीजेपी रक्षात्मक मोड में आ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने बंगाल के एसआईआर में 27 लाख नाम कटने का जिम्मेदार पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ही ठहरा दिया है। इससे पहले ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर चुनाव में धांधली और एसआईआर के जरिए चुनाव जीतने का आरोप लगाया था। उन्होंने विपक्षी एकता का आह्वान करते हुए कहा कि अब यह आंदोलन तब तक नहीं थमेगा जबतक कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं दे देते।

सीएम अधिकारी ने कहा कि कुछ समाचार संगठन बंगाल में भाजपा की जीत को अब तक स्वीकार नहीं कर पाए हैं और वे झूठी एवं भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव में हार से निराश विपक्षी दल मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अफवाहें फैला रहे। मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी ने कहा कि केरल में कांग्रेस को एसआईआर से कोई दिक्कत नहीं है और यह समर्थन भी कर रही है। उन्होंने कहा, हां उसने विधानसभा चुनाव जीता है, लेकिन बंगाल में चुनाव हारने के बाद वह यहां इस प्रक्रिया का विरोध कर रही है। सीएम ने कहा कि बंगाल में एसआईआर के दौरान 27 लाख नाम हटने के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं, भाजपा या

उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद उनकी पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) अब "एक ही सुर में बोल रही हैं।" अधिकारी ने वाम मोर्चा के शासनकाल से जुड़े राजनीतिक हिंसा के मामलों का भी जिक्र किया, जिनमें साईबाड़ी और नंदीग्राम की घटनाएं शामिल हैं।



निर्वाचन आयोग नहीं। सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने भले ही कहा कि कांग्रेस केरल में एसआईआर का विरोध नहीं कर रही है लेकिन केरल में सीएम वीडी सतीशन ने रविवार को सीईसी ज्ञानेश कुमार को बीजेपी का एजेंट बता दिया। तीशन ने कहा कि कुमार को अब पद पर नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने फेसबुक और 'एक्स' पर साझा किए

गए पोस्ट में कहा कि केरल में पूर्व मुख्य सचिव जिजी थॉमसन ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के बारे में जो दावे किए हैं, वे बेहद गंभीर हैं। भाजपा नेता ने निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया के विरोध को लेकर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर भी निशाना साधा।



चुनाव आयोग में मतभेद और SIR विवाद

भजनलाल का हमला, आरोपों का मांगा सबूत

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चुनाव आयोग में कथित मतभेद के दावों पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। रविवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठे तथ्यों के आधार पर संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस से अपने आरोपों के प्रमाण और दस्तावेज सार्वजनिक करने को कहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष बार-बार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की बात करता है। SIR को लेकर भी कांग्रेस की ओर से झूठा माहौल बनाया गया, जबकि चुनाव आयोग ने अपने हालिया स्पष्टीकरण में स्पष्ट किया है कि SIR से जुड़े प्रमुख फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे।

आयोग ने यह भी कहा है कि 24 जून 2025 को जारी SIR आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के फैसले में वैध ठहराया था। भजनलाल शर्मा ने कहा कि एक अखबार की रिपोर्ट को आधार बनाकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा कि किसी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पुष्टि जरूरी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि चुनाव आयोग में मतभेद और SIR को लेकर लगाए जा रहे आरोपों का ठोस आधार और प्रमाण क्या है। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट सेक्रेटरी को

SIR को लेकर आयोग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है और अब कांग्रेस को अपने आरोपों के प्रमाण देने चाहिए। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने हालिया बयान में कहा है कि 2025 में जारी मूल SIR आदेश और बाद में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए जारी कार्यक्रमों को आयोग की सर्वसम्मति से मंजूरी मिली थी।



भेजे गए पत्रों का भी जिक्र किया। चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को स्पष्ट किया कि ये पत्र आयोग की किसी नीति या II डिवीजन से जुड़े नहीं थे, बल्कि आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थे। आयोग ने यह भी कहा कि संबंधित अधिकारी के कार्य-वितरण संबंधी आदेश वास्तव

में लागू नहीं किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर चुनावी हार को छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता के बीच जाकर काम करना चाहिए और संस्थाओं को बदनाम करने की राजनीति से बचना चाहिए। उ



फरीदाबाद बोरवेल हादसा

रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन, 10 घंटे की मशक्कत के बाद निकाली गई बाहर

फरीदाबाद के सेक्टर-8 में खुले पड़े करीब 250 से 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची नेहा को करीब 10 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह करीब 4 बजे बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम ने बच्ची को बाहर निकालने के तुरंत बाद अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों की जानकारी सामने आएगी।

बच्ची को बाहर निकालने के लिए हरियाणा पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमों पूरी रात मौके पर जुटी रहीं। एनडीआरएफ अधिकारियों के मुताबिक, रविवार रात करीब 8 बजे बच्ची के बोरवेल में गिरने की सूचना मिली थी। करीब एक घंटे बाद गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान में शामिल हो गईं।

शुरुआत में बोरवेल से सुनाई दी रोने की आवाज: रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने के दौरान बचाव दल को बोरवेल के अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दे रही थी। इससे टीम और मौके पर मौजूद लोगों को बच्ची के सुरक्षित बाहर आने की उम्मीद बनी हुई थी। हालांकि कुछ समय बाद बच्ची की आवाज आनी बंद हो गई, जिसके बाद रेस्क्यू



टीम ने अभियान और तेज कर दिया।

बोरवेल की गहराई ने बड़ाई मुश्किल: नगर निगम की टीम ने बोरवेल की गहराई करीब 300 फीट बताई थी। एनडीआरएफ अधिकारियों के अनुसार, बोरवेल करीब द्वादस साल से बंद पड़ा था और लगभग 125 फीट की गहराई पर गंदा पानी भरा हुआ था। पानी, अधिक गहराई और बोरवेल की स्थिति के कारण बचाव दल को बच्ची तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सुरक्षित तरीके से

बंद हों अनुपयोगी बोरवेल: वहीं, स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जिन बोरवेल का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, उन्हें केवल ढकने के बजाय सुरक्षित तरीके से बंद किया जाए। साथ ही खुले पड़े बोरवेल की पहचान कर उन्हें तत्काल सुरक्षित करने की व्यवस्था की जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते ऐसे स्थानों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था होने से भविष्य में बच्चों और अन्य लोगों के साथ होने वाले हादसों को रोका जा सकता है।



हरियाणा की सैनी सरकार का बड़ा फैसला

8वीं के पाठ्यक्रम में शामिल हुआ सिख गुरु और बाबा बंदा सिंह बहादुर का इतिहास

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक सभी सिख गुरुओं ने मानवता, समानता, सेवा, करुणा, भाईचारे और सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उन्होंने समाज को जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। सिख गुरुओं की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का मार्ग दिखाती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिख गुरुओं और बाबा बंदा सिंह बहादुर का जीवन केवल एक समुदाय की धरोहर नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने गुरु गोबिंद सिंह जी की प्रेरणा से अन्याय, अत्याचार और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन साहस, नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण की भावना का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी युवाओं को सत्य और न्याय के



मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। सीएम सैनी ने कहा कि वर्तमान समय में जब नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और महान व्यक्तियों के आदर्शों से जोड़ने की आवश्यकता है, तब सिख गुरुओं और बाबा बंदा सिंह बहादुर के

जीवन पर आधारित अध्याय विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेंगे। इन अध्यायों के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, सेवा भाव, सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता की भावना का विकास होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि

जिन्होंने राष्ट्र और समाज के लिए अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें एक संवेदनशील, जागरूक और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बनने की प्रेरणा देगी। मुख्यमंत्री ने सिख समुदाय की लंबे समय से लंबित और भावनात्मक रूप से जुड़ी मांग को पूरा कर समाज की भावनाओं का सम्मान किया है। यह निर्णय न केवल सिख समुदाय के लिए सम्मान और गौरव का विषय है, बल्कि प्रदेश सरकार की सभी वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और समावेशी सोच को भी दर्शाता है।

हरियाणा सरकार शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण का सशक्त साधन मानती है। इसी सोच के तहत विद्यालयी पाठ्यक्रम में ऐसे महापुरुषों के जीवन और शिक्षाओं को स्थान दिया जा रहा है,



RAFTAAR INSTITUTE OF MEDIA STUDIES

Admission Started for Crash/Vocational Course in Mass Communication

We Are Ready to Welcome You at
Raftaar Institute of Media Studies



**Be Ready
to
Join**

Course

100%
PLACEMENT
ASSISTANCE

Anchor

Reporter

Scriptwriter

Video Editor

Cameraman

Helpline Number
6203592707, 9334722857

**UTTAM NIWAS, HARMU HOUSING COLONY
RANCHI- 02, JHARKHAND**



रांची में बुजुर्ग महिला से चेन स्नैचिंग

बेखौफ अपराधी वारदात को दे रहे अंजाम

राजधानी रांची में चोरी और छिनतई की घटनाएं लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। ताजा मामला एचबी रोड का है, जहां रविवार रात बाइक सवार दो स्नैचरों ने एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाते हुए उसके गले से सोने की चेन छीन ली। चेन बचाने की कोशिश में महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए।

रांची पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग महिला एक अन्य महिला के साथ एचबी रोड में टहल रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उसके पास पहुंचे। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने मौका देखकर बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपटने की कोशिश की। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए चेन पकड़ ली और उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन स्नैचर ने पूरी ताकत से चेन खींच दी।

अचानक हुई इस खींचतान के कारण महिला अपना संतुलन खो बैठी और सड़क पर गिर गई। गिरने से महिला को चोट लगी, जबकि बाइक सवार दोनों आरोपी चेन लेकर मौके से फरार हो गए।

चेन स्नैचिंग की यह पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में बाइक पर सवार दो युवक महिला को निशाना बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों तेज गति से बाइक लेकर मौके से निकल जाते हैं। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने महिला की मदद की। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों स्नैचरों की पहचान करने में जुटी है।



सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता

इस घटना ने रांची में महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस समय महिला अपने परिचित के साथ सामान्य रूप से टहल रही थी, उसी दौरान बाइक

सवार अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। रांची के लोवर बाजार थाना पुलिस के सामने अब आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और छीनी गई सोने की चेन बरामद करने की चुनौती है।



झारखंड में जापानी इंसेफलाइटिस से मरीज की मौत

रांची से धनबाद जाएगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

धनबाद जिले में जापानी इंसेफलाइटिस यानी JE के दो मरीजों में पुष्टि और एक मरीज की मौत के बाद स्वास्थ्य मुख्यालय अलर्ट मोड में आ गया है। सोमवार को रांची से वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के स्टेट ट्रेनिंग कंसल्टेंट के नेतृत्व में टीम धनबाद जाएगी और जिन क्षेत्रों से केस मिले हैं, वहां का दौरा करेगी। साथ ही बीमारी की रोकथाम के लिए जरूरी प्रोटोकॉल के अनुसार आगे का काम करेगी।

राज्य के वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के स्टेट नोडल पदाधिकारी डॉ. रंजीत प्रसाद ने बताया कि वह मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम पर आयोजित रीजनल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने रायपुर आये हुए हैं। धनबाद में जापानी इंसेफलाइटिस से एक बच्चे की मौत और एक अन्य मरीज में JE की पुष्टि की जानकारी मिली है। इसे लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि रांची से एक टीम धनबाद जाएगी और प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी। प्रभावित क्षेत्र में तुरंत मच्छर और लार्वा नाशी दवाओं के छिड़काव के आदेश दे दिए गए हैं। दूसरे संक्रमित बच्चे जिसका इलाज शहीद निर्मल महतो स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (SNMMCH) में चल रहा है, उसके स्वास्थ्य की जानकारी ली है। उस बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार के संकेत हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है और VBD,

गंभीरता को देखते हुए रांची से स्वास्थ्य विभाग की टीम धनबाद का दौरा कर रही है ताकि हालात की समीक्षा की जा सके और संक्रमण को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। स्थानीय स्वास्थ्य प्रशासन और जिला मलेरिया टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जांच, बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान और मरीजों की निगरानी का काम किया जा रहा है।



IDSP और धनबाद जिला के सिविल सर्जन को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम (IDSP) रांची के डॉ. प्रवीण कर्ण ने बताया कि 'जापानी इंसेफलाइटिस' जिसे आम बोलचाल की भाषा में मस्तिष्क ज्वर कहा जाता है, यह क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। विषाणुजनित यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के मस्तिष्क के न्यूरॉन को भी

प्रभावित करता है, इसलिए कई बार यह बेहद घातक हो जाता है। तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरे पड़ना, अत्यधिक सुस्ती, भ्रम और व्यवहार में बदलाव जैसे कई लक्षण दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार यह खतरनाक रूप ले लेता है, इसलिए बुखार को सामान्य नहीं मानकर किसी योग्य चिकित्सक से दिखाकर इलाज कराना चाहिए।



ड्रोन से दवा छिड़के

लेकिन मात्रा विज्ञान से तय करें!

कुछ वर्ष पहले तक खेत के ऊपर उड़ता ड्रोन आधुनिक तकनीक का आकर्षक प्रदर्शन भर लगता था। अब स्थिति बदल रही है। कृषि ड्रोन फसल की निगरानी, रोग और कीट प्रभावित क्षेत्रों की पहचान, पोषक तत्वों एवं कृषि रसायनों के लक्षित छिड़काव और फसल क्षति के आकलन जैसे कामों में तेजी से इस्तेमाल हो रहे हैं।

सरकार भी कृषि में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। जुलाई 2026 तक देश में 1,094 ड्रोन महिला स्वयं सहायता समूहों को उपलब्ध कराए जा चुके थे। वहीं 2023-24 से 2025-26 के दौरान ICAR, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों ने 40,928 किसान-ड्रोन प्रदर्शन 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में किए।

यानी ड्रोन अब केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं हैं। वे खेतों तक पहुंच रहे हैं। लेकिन असली सवाल है - इनका इस्तेमाल वैज्ञानिक तरीके से कैसे किया जाए?

ड्रोन किसानों के लिए उपयोगी क्यों हैं?

ड्रोन की सबसे बड़ी विशेषता है - कम समय में बड़े क्षेत्र में लक्षित छिड़काव। जलभराव वाले खेतों, ऊंची और घनी फसलों तथा गन्ना, केला और कुछ बागवानी फसलों में यह विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है। खेत में मजदूरों की आवाजाही कम होने से फसल को होने वाली क्षति और कृषि रसायनों के सीधे संपर्क का जोखिम भी घटाया जा सकता है। कई कृषि परीक्षणों में ड्रोन से लगभग 20 लीटर पानी प्रति

हेक्टेयर जैसी कम जल मात्रा में छिड़काव किया गया है, जबकि पारंपरिक छिड़काव में कई परिस्थितियों में 500-750 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर तक की जरूरत पड़ सकती है। कुछ परिस्थितियों में एक हेक्टेयर का छिड़काव लगभग 10-15 मिनट में पूरा किया जा सकता है। लेकिन यहीं एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है - पानी कम है तो क्या दवा भी कम कर दें? नहीं।



ड्रोन का असली खेल मशीन नहीं, कैलिब्रेशन है

ड्रोन से सफल छिड़काव केवल टंकी में दवा भरकर उड़ाने से नहीं होता। मौसम + बूंदों का आकार + नोजल + उड़ान ऊंचाई + उड़ान गति + पानी की मात्रा + मशीन का कैलिब्रेशन इन सभी का सही संयोजन जरूरी है। तेज हवा में छोटी बूंदें लक्ष्य से दूर जा सकती हैं। इसे

स्प्रै ड्रिफ्ट कहा जाता है। बहुत अधिक तापमान और कम आर्द्रता में बूंदें तेजी से सूख सकती हैं। बारिश की संभावना हो तो छिड़काव का समय बदलना चाहिए। कुछ परिस्थितियों में फसल की शुरुआती अवस्था में लगभग 20 लीटर और पूर्ण पत्तीय आवरण की अवस्था में लगभग 25 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर संदर्भ मात्रा के रूप

में उपयोग किया जा सकता है। लेकिन इसे सभी फसलों के लिए सार्वभौमिक नियम नहीं माना जाना चाहिए। आम, लीची, साइटस और केले जैसी फसलों में पौधे की ऊंचाई, पत्तियों का घनत्व और लक्ष्य क्षेत्र को ध्यान में रखकर पानी की मात्रा, उड़ान ऊंचाई, गति और अन्य मानक तय किए जाने चाहिए।



जिस पौधे पर किसान वर्षों का भरोसा करता है, उसकी कहानी खेत से बहुत पहले शुरू हो जाती है। किसान को नर्सरी में एक जैसे दिखने वाले दर्जनों पौधे दिखाई दे सकते हैं। लेकिन उनकी कहानी एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं।

खेत में जाने से पहले

किसान जब खेत में एक पौधा लगाता है, तो वह केवल आज की फसल के लिए फैसला नहीं कर रहा होता। खासकर फलदार बाग में यह फैसला वर्षों—कई बार दो-तीन दशकों—तक उसके खेत, पानी, श्रम और पूंजी को बांध देता है।

अल्फांसो आम का बाग हो, अंगूर की बेलें, अनार की कतारें, केले का खेत या संतरे का बाग - हर कहानी की शुरुआत एक छोटे-से पौधे से होती है। लेकिन वह पौधा आया कहाँ से?

उसका मदर प्लांट कैसा था? उसका रूटस्टॉक कौन-सा था? स्कायन कहाँ से लिया गया? ग्राफ्टिंग किस तरह हुई? पौधे का स्वास्थ्य कैसे सुनिश्चित किया गया? और किसान को कैसे पता चले कि उसे वही किस्म और वही गुणवत्ता मिली है, जिसके लिए उसने भुगतान किया?

इन सवालों के जवाब खेत में नहीं मिलते। उनकी शुरुआत नर्सरी में होती है। यही नर्सरी की वह भूमिका है, जो अक्सर नजरों से ओझल रहती है। हर व्यावसायिक बाग के पीछे एक नर्सरी होती है और हर नर्सरी के पीछे प्लांटिंग मटेरियल की एक पूरी उत्पादन-श्रृंखला।

बाग की पहली किस्मत

हॉर्टिकल्चर ने भारतीय खेती की तस्वीर तेजी से बदली है। फल, सब्जियाँ, मसाले, फूल, औषधीय और सुगंधित फसलें अब कृषि विविधीकरण, ग्रामीण रोजगार और निर्यात की महत्वपूर्ण कड़ियाँ हैं। नासिक के अंगूर से लेकर कश्मीर के सेब, सोलापुर के अनार और उत्तर प्रदेश के आम तक, देश के अलग-अलग हिस्सों में हॉर्टिकल्चर किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

लेकिन हॉर्टिकल्चर की अर्थव्यवस्था में एक

खास बात है। यह अक्सर लंबी अवधि का निवेश है। गेहूँ या धान के विपरीत, जहाँ किसान अगले मौसम में अपनी रणनीति बदल सकता है, फलदार बाग का फैसला जल्दी नहीं बदला जा सकता।

एक किसान जब आम या साइट्रस का बाग लगाता है, तो उसकी असली उत्पादकता का पता वर्षों बाद चलता है। अंगूर जैसी फसल में शुरुआत से ही महंगा इंफ्रास्ट्रक्चर और वैज्ञानिक प्रबंधन जुड़ जाता है। केले में एकरूप और स्वस्थ प्लांटिंग मटेरियल का महत्व बेहद अधिक है। इसलिए नर्सरी का उत्पाद केवल एक पौधा नहीं है। वह किसान के भविष्य की जैविक नींव है।



हर पौधा एक जैसा नहीं होता

किसान को नर्सरी में एक जैसे दिखने वाले दर्जनों पौधे दिखाई दे सकते हैं। लेकिन उनकी कहानी एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं। एक ग्राफ्टेड आम के पौधे को ही लें। सबसे पहले एक स्वस्थ और बेहतर गुणों वाले मदर प्लांट का चयन होता है। उससे चुना गया स्कायन उस किस्म के वांछित गुणों को आगे ले जाता है। दूसरी

ओर रूटस्टॉक अलग से तैयार किया जाता है, जिसका चुनाव पौधे की ताकत, अनुकूलन क्षमता या रोग-सहनशीलता जैसी विशेषताओं को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

फिर आती है ग्राफ्टिंग। ग्राफ्ट को ठीक से जुड़ना होता है। पौधे को उपयुक्त वातावरण, सिंचाई, पोषण और रोग-प्रबंधन चाहिए। कई महीनों की देखभाल के बाद ही वह पौधा बाग में जाने के योग्य बनता है। यानी - एक अच्छा पौधा

तैयार करना, पौधा बेचने से कहीं अधिक जटिल काम है।

अगर मदर प्लांट स्वस्थ नहीं है, तो समस्या आगे आने वाले प्लांटिंग मटेरियल में पहुंच सकती है। प्रोपेगेशन की प्रक्रिया कमजोर हो तो खेत में प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। लापरवाही से की गई हैंडलिंग और परिवहन पौधे के जीवित रहने की संभावना को कम कर सकते हैं। यहीं से क्वालिटी एश्योरेंस की जरूरत समझ में आती है।



आम-लीची का पोषण प्रबंधन

15 सितंबर के बाद आम-लीची के बाग में जरा संभलकर

आम के पेड़ पर इस समय फल नहीं हैं। लीची भी बाजार से उतर चुकी है। देखने वाले को लगेगा कि बाग का काम कुछ समय के लिए थम गया है। लेकिन पेड़ के भीतर अगली फसल की तैयारी शुरू हो चुकी है।

फल तुड़ाई के बाद निकलने वाली नई पत्तियाँ और टहनियाँ धीरे-धीरे परिपक्व होती हैं। यही परिपक्वता आने वाले मौसम में पुष्पन की क्षमता तय करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए अगस्त-सितंबर का पोषण प्रबंधन महज खाद डालने का काम नहीं है; यह अगले मौसम की फसल की नींव रखने का समय है। और यहीं एक तारीख उपयोगी सावधानी का संकेत देती है - 15 सितंबर।

उत्तर बिहार के सामान्य फलदार आम और लीची बागों में इस समय के बाद भारी मात्रा में नाइट्रोजन देने से बचना समझदारी हो सकती है। वजह सीधी है। मौसम बदलने के साथ पौधे की वृद्धि की दिशा भी बदलती है। ऐसे में जरूरत से ज्यादा नाइट्रोजन, पर्याप्त नमी और अनुकूल परिस्थितियाँ पेड़ को फिर से नई पत्तियों और कोमल टहनियों की ओर धकेल सकती हैं।

जो टहनियाँ देर से निकलती हैं, उन्हें परिपक्व होने का पर्याप्त समय न मिले तो अगले मौसम के पुष्पन पर असर पड़ सकता है। लेकिन 15 सितंबर कोई जादुई सीमा नहीं है। इसे पूरे देश, हर किस्म, हर पेड़ और हर परिस्थिति में नाइट्रोजन पर पूर्ण रोक की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। पेड़ की उम्र, विकास अवस्था, मिट्टी, मौसम, पिछली उपज और मृदा परीक्षण के आधार पर निर्णय बदल सकता है। यही वह बारीकी है जिसे आधुनिक बागवानी समझने की कोशिश कर रही है।

बाग में सबसे महंगी गलती हमेशा बड़ी गलती नहीं होती

किसान के लिए खाद और उर्वरक एक निवेश है। स्वाभाविक रूप से उसकी इच्छा होती है कि पेड़ को पर्याप्त पोषण मिले और अगली फसल अच्छी हो। समस्या तब शुरू होती है जब 'पर्याप्त' और 'अधिक' के बीच की सीमा मिट जाती है। खासकर नाइट्रोजन के मामले में यह फर्क महत्वपूर्ण है।

गूरिया या दूसरे तीव्र नाइट्रोजन स्रोतों की देर से और अधिक

मात्रा नई पत्तियों तथा कोमल टहनियों को बढ़ावा दे सकती है। पौधे को उस समय जिस परिपक्वता की ओर बढ़ना चाहिए, वहां उसकी ऊर्जा वानस्पतिक वृद्धि में चली जा सकती है। इसलिए अगर किसी कारण से निर्धारित खुराक समय पर नहीं दी जा सकी है, तो उसे बाद में एक साथ या दोगुनी मात्रा में देना समाधान नहीं है। बागवानी में कैलेंडर से ज्यादा महत्वपूर्ण है पेड़ की वास्तविक स्थिति।





बिहार में दो नए एयरपोर्ट, अजगैबीनाथ धाम और सोनपुर

10 हजार करोड़ पीपीपी निवेश और भूमि

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में अजगैबीनाथ धाम एवं सोनपुर/सारण में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बैठक में दोनों परियोजनाओं के टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट्स, ट्रैफिक सर्वे, मास्टर प्लान, भूमि अधिग्रहण, एयरपोर्ट क्षमता, कनेक्टिविटी और आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि अजगैबीनाथ धाम ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के पहले चरण में 3500 करोड़ रुपये तथा सोनपुर ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल हवाईअड्डे के पहले चरण में 6500 करोड़ रुपये का निवेश पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर किया जाना है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण तथा कनेक्टिविटी से संबंधित लागत का वहन करेगी।

बिहार रैयती भूमि क्रय नीति, 2026 के तहत दोनों एयरपोर्ट परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं में तेजी लाने तथा सभी आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के

साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने का स्पष्ट निर्देश दिया। अजगैबीनाथ धाम में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के मास्टर प्लान पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

के साथ पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि अजगैबीनाथ धाम एयरपोर्ट से मुंगेर, लखीसराय, जमुई, भागलपुर, बांका,

में भी सुविधा होगी। बैठक में सोनपुर/सारण एयरपोर्ट के मास्टर प्लान की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस एयरपोर्ट को बड़े विमानों



मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों एयरपोर्ट परियोजनाओं के विकास से हवाई कनेक्टिविटी, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एयरपोर्ट की आधारभूत संरचना और रनवे का विकास इस प्रकार किया जाए कि बड़े विमानों का संचालन संभव हो सके। उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट से क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी

खगड़िया और बेगूसराय सहित आसपास के जिलों को बेहतर हवाई सुविधा का लाभ मिलेगा। साथ ही श्रावणी मेले के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन

के संचालन के अनुकूल विकसित किया जाए। उन्होंने कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।



बिहार में बाढ़ से तबाही

चंपारण तटबंध टूटा.. गांवों में घुसा गंडक का पानी

नेपाल के तराई इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बिहार में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रदेश में सबसे ज्यादा तबाही पश्चिम चंपारण में हुई। यहां गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच बैरिया प्रखंड क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। फुलियाखांड पंचायत के वार्ड नंबर पांच के समीप चंपारण तटबंध अचानक टूट गया।

बताया जा रहा है कि तटबंध के इस हिस्से में पहले से ही सिपेज हो रहा था। सोमवार की रात करीब दो बजे गंडक के बढ़ते जलदबाव के बीच तटबंध धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हुआ और आखिरकार टूट गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक तटबंध का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था।

गंडक नदी के बाएं चंपारण तटबंध में फुलियाखांड गांव के समीप करीब 59.60 किलोमीटर पर ओवरटॉपिंग और पाइपिंग के कारण लगभग पांच मीटर चौड़ाई में क्षति होने की सूचना है। तटबंध टूटने के बाद पानी तेज रफ्तार से खेतों और निचले इलाकों में फैल रहा है, जिससे आसपास

के कई गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। तटबंध टूटने की खबर से फुलियाखांड के अलावा श्यामपुर, शिवराजपुर समेत आसपास के गांवों में लोगों की चिंता

आवागमन की व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो सकती है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम को मौके पर तैनात किया

गई है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की सलाह दी गई है।



बढ़ गई है। दो प्रखंडों के दर्जनों गांवों के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के सामने घर-गृहस्थी का सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, पशुओं को बचाने और

गया है। टीम को किसी भी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य के लिए तैयार रखा गया है। प्रशासन की ओर से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की

जइस बीच, प्रशासन ने लोगों से प्रभावित इलाकों में अनावश्यक आवागमन नहीं करने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। साथ ही अफवाहों से बचने की भी हिदायत दी गई है



सीएम ने बाढ़ प्रभावित जिलों का किया हवाई सर्वेक्षण

बिहार में गंडक समेत कई नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को वैशाली, सारण, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने गोपालगंज के डुमरिया घाट में गंडक नदी के बढ़े जलस्तर का स्थल निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील और निचले इलाकों में लगातार निगरानी रखने तथा राहत-बचाव कार्यों में किसी तरह की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने डुमरिया घाट में अधिकारियों से कहा कि तटबंधों की निगरानी की जाए और रात में पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के बीच बेहतर समन्वय बनाकर आवश्यकता के अनुसार त्वरित कार्रवाई करने को कहा। बाढ़ राहत शिविरों और सामुदायिक रसोई के माध्यम से प्रभावित लोगों को भोजन एवं जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

जल संसाधन विभाग के मुताबिक, राज्य में गंडक, कोसी, बागमती, कमला बलान, लालबकेया और घाघरा नदियां

अलग-अलग स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज की गईं। विभाग के आंकड़ों में कई स्थानों पर जलस्तर में वृद्धि का रुझान भी सामने आया है। बताया गया कि गंडक नदी डुमरिया घाट

ऊपर है। कमला बलान नदी का जलस्तर झंझारपुर में खतरे के निशान से ऊपर है। घाघरा नदी के दरौली में खतरे के निशान के पार है। आपात स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 06254-247002 और

हैं। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा प्रखंड-एक अंतर्गत सिंगाड़ी-पिपरिया पंचायत के खैराटवा गांव के समीप सोमवार की रात करीब 8:30 बजे गंडक नदी के बढ़ते भारी दबाव के कारण चंपारण तटबंध अचानक



में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, कोसी नदी बलतारा में, जबकि बागमती नदी के ढेंग, सोनाखान, डुबाधार, कटौंझा और बेनीबाद में लाल निशान से

पश्चिमी चंपारण में गंडक तटबंध टूटने से हाहाकार मच गया है। बाढ़ का पानी आधा दर्जन से अधिक गांवों में घुस गया है, जिससे सैकड़ों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई

टूट गया। तटबंध के क्षतिग्रस्त होते ही गंडक नदी का उफनता पानी अत्यंत तीव्र वेग के साथ रिहायशी इलाकों और खेतों में फैलने लगा।



मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन

‘जब तक इस्तीफा नहीं देंगे, हम पीछे नहीं हटेंगे’

देशभर में कांग्रेस ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उन्हें पद से हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए. पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और निर्वाचन आयोग के पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाया तथा झारखंड, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, मणिपुर, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में रैलियां, धरने और प्रदर्शन किए.

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाया नहीं जाता, तब तक पार्टी पीछे नहीं हटेगी. उन्होंने श्रीनगर में वोटर लिस्ट में बदलाव की प्रक्रिया और फॉर्म 6 के इस्तेमाल को लेकर चल रहे विवाद पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया. पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया से जुड़े बदलावों ने वोटर्स के लिए और मुश्किलें खड़ी कर दी हैं और इस प्रक्रिया की कानूनी वैधता पर भी सवाल उठाए हैं. खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस कुछ समय से एसआईआर को लेकर चिंताएं जता रही है. उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग से मिली जानकारी और

घटनाक्रमों ने विपक्षी पार्टी द्वारा उठाए गए सवालों को और मजबूत किया है. झारखंड के रांची में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ)

परिसर के पास से विरोध मार्च निकाला, जो धुर्वा स्थित सीईओ कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुआ. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आरोप लगाया, “ज्ञानेश

महाराष्ट्र में वोट चोरी के संबंध में सबूत और तथ्य रखे हैं.” कांग्रेस की झारखंड इकाई का यह प्रदर्शन ‘इंडियन एक्सप्रेस’ की एक रिपोर्ट के बाद हुआ है, जिसमें



. सीईओ के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ के. रवि कुमार से मुलाकात कर उन्हें जापन सौंपा. चेन्नियला ने निर्वाचन आयोग पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा निर्वाचन आयोग के तहत एक और चुनाव कराना “धोखा” होगा.

के कार्यालय का घेराव किया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किया. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुराने विधानसभा

कुमार भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं और लोकतंत्र की मर्यादा को भंग कर रहे हैं। वह वोट चोरी में लगे हुए हैं.” कमलेश ने कहा, “हमारे नेता राहुल गांधी ने पूरे देश के सामने हरियाणा और

दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार उन फैसलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज कराई,



झारखंड में बढ़ेगी बाघों की संख्या

झारखंड में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए पलामू टाइगर रिजर्व में टाइगर सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम की योजना तैयार की गई है। भारत सरकार ने जुलाई महीने में ही इस कार्यक्रम के लिए अनुमति दे दी थी। इसके तहत मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व से दो बाघिन और एक बाघ को पलामू लाने की तैयारी चल रही है।

2024 में पलामू टाइगर रिजर्व ने सबसे पहले टाइगर सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम की तैयारी शुरू की थी। वर्ष 2026 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया से सहमति मिलने के बाद केंद्र सरकार ने अनुमति प्रदान की। बाघिन और बाघ को लाने से पहले वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की टीम पलामू टाइगर रिजर्व का भौतिक सत्यापन करेगी। टीम उस जगह की सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं का जायजा लेगी, जहां बाघिन और बाघ को रखा जाना है। जब बाघिन और बाघ लाए जाएंगे, तब वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया की टीम मौजूद रहेंगी और सभी के स्वास्थ्य की निगरानी करेंगी। टाइगर सप्लीमेंटेशन

प्रोग्राम के तहत मध्य प्रदेश के इलाके में मौजूद टाइगर रिजर्व से दो बाघिन और एक बाघ लाए जाएंगे। इन्हें पलामू टाइगर रिजर्व के सॉफ्ट रिलीज सेंटर में रखा

टाइगर रिजर्व पहुंच जाएंगे। टाइगर सप्लीमेंटेशन से पहले सौ वर्षों से पलामू टाइगर रिजर्व में बाघों के प्रवास को बेहतर बनाने के लिए कई दिशाओं में

जाएगी। पलामू टाइगर रिजर्व में बाघिन और बाघ को लाने के लिए विशेष गाड़ी भी तैयार की गई है। वन्यजीव रेस्क्यू के लिए पहले से एक गाड़ी मौजूद थी,



पलामू टाइगर रिजर्व के उप निदेशक प्रजेशकान्त जेना ने बताया, “पलामू टाइगर रिजर्व के हालात को लेकर एक प्रेजेंटेशन तैयार किया गया था। प्रेजेंटेशन के बाद टाइगर सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम की मंजूरी मिली थी। भारत सरकार की तरफ से भी मंजूरी मिल गई है। बाघिन और बाघ को लाने से पहले वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की टीम पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके का भौतिक सत्यापन करेगी। बाघ जहां से लाया जाएगा और जहां रखा जाएगा, दोनों जगहों का निरीक्षण किया जाना है।

जाएगा। करीब एक वर्ष की निगरानी के बाद इन्हें खुले जंगल में छोड़ दिया जाएगा। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के दौरे के बाद 2026 के अंतिम महीने तक बाघिन और बाघ पलामू

कार्य हुए हैं। यहां ग्रासलैंड को बढ़ाया गया है। सॉफ्ट रिलीज सेंटर में हिरण और चीतल भी रखे गए हैं। बाघिन और बाघ के पहुंचने के बाद पलामू टाइगर रिजर्व के अन्य हिस्सों में चीतल की संख्या बढ़ाई

लेकिन इस कार्यक्रम के लिए खास तौर पर नई गाड़ी तैयार की गई है। यह कार्यक्रम राजस्थान के सरिस्का और मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व के तर्ज पर तैयार किया गया है।



सीएम विजय ने बांटी सोने की अंगूठी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को देखने के लिए सोमवार को एक बार फिर लोग भारी संख्या में उमड़ पड़े, उनके चाहने वालों ने उनकी एक झलक पाने के लिए बैरिकेड तोड़ दिए और उनके समर्थन में भारी नारेबाजी की।

चिलचिलाती धूप के बावजूद मदुरै में विजय का भव्य स्वागत करने और उनकी एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ जुटी, जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल थे।

पुलिस के लिए स्थिति संभालना मुश्किल हो गया, क्योंकि मुख्यमंत्री के रोड शो और स्थानीय प्रतिष्ठानों के दौरों के दौरान कई लोगों ने बैरिकेड तोड़ दिए, विजय के वाहन के करीब पहुंचने का प्रयास किया और खुशी में नारे लगाए। एक युवक ने विजय को मशहूर अभिनेता अजित कुमार के साथ ली गई उनकी तस्वीर भेंट की। मुख्यमंत्री ने अपने रोड शो के दौरान कुछ देर के लिए इस तस्वीर को अपनी गाड़ी के ऊपर से दिखाया।

स्वर्ण अंगूठी योजना शुरू करने के लिए विजय के सरकारी राजाजी अस्पताल जाने से लेकर गांधी संग्रहालय और



मीनाक्षी मंदिर के उनके दौरे तक, हर जगह सड़कों के दोनों ओर समर्थक, प्रशंसक और आम लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे कई जगहों पर सुबह से

ही विजय की एक झलक पाने का इंतजार कर रहे कुछ युवा बेहोश हो गए। पुलिसकर्मी इन लोगों को तुरंत चिकित्सकीय मदद के लिए ले जाते हुए

दिखाई दिए। राजाजी अस्पताल परिसर में विजय ने एक लड़की की उनके साथ सेल्फी लेने की इच्छा पूरी की। उन्होंने खुद लड़की के साथ तस्वीर खींची।



विजय की झलक पाने का इंतजार कर रहे कुछ युवा बेहोश हो गए

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपने प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए 'थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' नामक कल्याणकारी योजना की सोमवार को शुरुआत की जिसके तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले शिशुओं को 22 कैरेट सोने की एक ग्राम की अंगूठी दी जाएगी। राज्य सरकार ने इस कल्याणकारी योजना के लिए 755.83 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक परिवारों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़कर अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव को प्रोत्साहित करना है।

राज्य सरकार ने योजना के शुरुआती चरण के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियां पहले ही खरीद ली हैं। इनका वितरण सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले उन शिशुओं में किया जाएगा जिनकी मां तमिलनाडु की निवासी हैं।

आज की दर के अनुसार 22 कैरेट सोने की कीमत (अभूषण बनाने का शुल्क और जीएसटी छोड़कर) लगभग 14,000 रुपये प्रति ग्राम है। अस्पताल के सभागार में 25 बच्चों को व्यक्तिगत रूप से सोने की अंगूठियां भेंट करने के बाद मुख्यमंत्री विजय ने प्रसूति वार्ड में जाकर 10 अन्य नवजात शिशुओं को भी

अंगूठियां दीं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री के जी अरुणराज ने कहा कि सरकारी आंकड़ों से स्पष्ट है कि निजी अस्पतालों में प्रसव पर भारी खर्च होता है जिससे कई परिवारों को कर्ज तक

खरीद की पूरी योजना तैयार कर ली गई। पारदर्शिता और उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सोने की अंगूठी पर एक अनूठा नंबर दर्ज है जिसे मां के आरसीएच

रुपये की लागत से पूरी तरह से पुनर्निर्मित इस संग्रहालय का उद्घाटन किया। 13 एकड़ में फैला यह संग्रहालय आज से आम जनता के लिए खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री का



लेना पड़ता है, जबकि सरकारी अस्पतालों में प्रसव करने से परिवारों का न के बराबर खर्च होता है। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर 22 जून को इसकी घोषणा की गई थी और तीन महीने के भीतर 4,40,000 से अधिक अंगूठियों की

(प्रजनन और बाल स्वास्थ्य) पहचान संख्या से जोड़ा गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे 17वीं शताब्दी के ऐतिहासिक रानी मंगम्माल द्वारा निर्मित तमुक्कम पैलेस में स्थित गांधी मेमोरियल म्यूजियम पहुंचे और 10.25 करोड़

शाम को प्रसिद्ध श्री मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर के दर्शन करने का कार्यक्रम है। 17 सितंबर को मंदिर के भव्य महा कुंभाभिषेक के बाद मदुरै की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।



प्रशांत किशोर का अब 'मिशन' दिल्ली, PK बोले

छह महीने के मंथन के बाद बनेगा विजन डॉक्यूमेंट

बिहार की राजनीति में जन सुराज अभियान के जरिए मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने वाले प्रशांत किशोर ने पार्टी के राष्ट्रीय व संगठनात्मक विस्तार को लेकर अपनी रणनीति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। चर्चा में चल रही उन अटकलों पर विराम लगाते हुए, जिनमें ये दावा किया जा रहा था कि जन सुराज पार्टी जल्द ही दिल्ली में अपनी राजनीतिक इकाई शुरू करने जा रही है। इस पर प्रशांत किशोर ने साफ किया कि फिलहाल दिल्ली व अन्य राज्यों में तुरंत पार्टी लॉन्च करने की कोई योजना नहीं है।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार से बाहर किसी अन्य राज्य में बिना सोचे-समझे या हड़बड़ी में सिर्फ नाम के लिए संगठन की शाखाएं नहीं खोली जाएंगी। किसी भी नए राज्य, विशेषकर दिल्ली जैसे केंद्र में कदम रखने के लिए एक लंबी व ठोस तैयारी, सही लोगों का चयन, स्पष्ट विजन, पर्याप्त समय और संसाधनों का होना बेहद आवश्यक है।

बिहार के बाहर जन सुराज के समर्थकों व चाहने वालों की सबसे बड़ी संख्या दिल्ली व एनसीआर में रहती है। लंबे समय से कार्यकर्ताओं व समर्थकों का यह दबाव था कि प्रशांत किशोर स्वयं दिल्ली आकर उनसे मुलाकात करें। इसी सिलसिले में प्रशांत किशोर ने दिल्ली का दौरा कर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। प्रशांत किशोर का कहना है कि वर्तमान में दिल्ली में जन सुराज से जुड़े लोगों को व्यवस्थित व संगठित करने के उद्देश्य से एक Non-Resident Biharis (NRB) Chapter का गठन किया गया है।

प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया है कि राजधानी दिल्ली में किसी भी औपचारिक राजनीतिक विस्तार से पहले कम से कम 6 महीने का समय लिया जाएगा। इस दौरान लगभग 50 से अधिक गहन बैठकों व संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा। 6 महीने के इस मंथन का मुख्य लक्ष्य दिल्ली की स्थानीय

समस्याओं को गहराई से समझना व उनके समाधान के लिए एक ठोस व व्यावहारिक ब्लूप्रिंट या विजन डॉक्यूमेंट तैयार करना है। उन्होंने कहा है कि सिर्फ राजनीतिक शून्यता या चुनाव का होना (जैसे आगामी नगर निगम चुनाव) किसी राज्य में पार्टी विस्तार का आधार नहीं हो सकता है।



विस्तार के लिए तीन अनिवार्य शर्तें

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि दिल्ली या देश के किसी भी अन्य राज्य में पार्टी की इकाई तभी गठित की जाएगी जब तीन शर्तें पूरी होंगी, जिसमें संबंधित राज्य की समस्याओं को दूर करने व उसे बेहतर बनाने के लिए

एक स्पष्ट और प्रामाणिक ब्लूप्रिंट होना चाहिए। उस ब्लूप्रिंट को जमीन पर लागू करने के लिए समर्पित, ईमानदार व स्थानीय लोगों का मजबूत नेतृत्व उपलब्ध हो। अभियान को सही तरीके से चलाने के लिए पर्याप्त समय व संसाधनों की उपलब्धता हो।



रांची बनेगी नया टेक हब

2029 तक शुरू होगा अत्याधुनिक IT पार्क, सृजित होंगे 75 हजार रोजगार

झारखंड को देश के प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी और इनोवेशन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से RMZ Infrastructure के प्रेसिडेंट दीपक छाबड़िया ने उनके कांके रोड स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस बैठक में रांची में अत्याधुनिक IT Park विकसित करने, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने और नई तकनीकों में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की कार्ययोजना पर विस्तृत मंथन हुआ।

प्रस्तावित योजना के तहत वर्ष 2029 तक रांची में आधुनिक IT पार्क को क्रियाशील करने की तैयारी है। इसके प्रथम चरण में लगभग 20,000 तकनीकी रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। जबकि अगले तीन वर्षों में क्षमता विस्तार करते हुए कुल 75,000 उच्च-कौशल आधारित नौकरियों का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। इससे राज्य के इंजीनियरिंग व तकनीकी युवाओं को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय अवसर मिलेंगे और प्रतिभा पलायन पर रोक लगेगी। इस महत्वाकांक्षी IT पार्क के लिए रांची

के सबसे प्रमुख प्रशासनिक व शैक्षणिक कॉरिडोर को चुना गया है। IIM रांची, नए विधानसभा परिसर और झारखंड उच्च न्यायालय के निकट उपलब्ध लगभग

सुविधाएं तैयार की जाएंगी। बैठक में पारंपरिक आईटी सेवाओं के अलावा अत्याधुनिक और भविष्य की तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग, आधुनिक मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और न्यूक्लियर एनर्जी जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में निजी



यह टीम वहां के स्थापित आईटी पार्क्स, तकनीकी इकोसिस्टम, सिंगल-विंडो निवेश नीतियों और कंपनियों को दी जा रही सुविधाओं का व्यावहारिक अध्ययन करेगी, जिसके आधार पर रांची के लिए अंतिम मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के प्राकृतिक और मानव संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर एक नया भविष्य गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

100 एकड़ भूमि को संभावित स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। इस परिसर में आधुनिक कार्यालय, मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी और बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियों के अनुकूल वैश्विक

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के जरिए फॉरवर्ड और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बैकएंड ऑपरेशंस, डेटा एनालिटिक्स व कोर रिसर्च का संचालन झारखंड से करने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही

निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर माह में बेंगलुरु का दौरा करेगा।



‘युद्ध हारने के बाद याद आता है दांव..’

उपेंद्र कुशवाहा का पर तंज, बोले-‘नीतीश होते PM चेहरा तो मजबूत होता विपक्ष’

बिहार के रोहतास में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की रणनीति पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान अगर विपक्षी गठबंधन ने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया होता, तो विपक्ष की स्थिति अलग हो सकती थी।

उपेंद्र कुशवाहा ने कांग्रेस की कार्यशैली पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई बार राजनीतिक परिस्थितियों को समय रहते नहीं भांप पाती और जब चुनावी लड़ाई का नतीजा सामने आ जाता है, तब यह सोचती है कि कौन सा राजनीतिक दांव पहले खेला जाना चाहिए था।

कुशवाहा ने इसी संदर्भ में कहा कि युद्ध खत्म होने और हार सामने आने के बाद कांग्रेस को याद आता है कि कौन सा दांव खेलना चाहिए था। उनके इस बयान का निशाना विपक्षी गठबंधन की उस रणनीति पर है, जिसमें नीतीश कुमार के नाम को प्रधानमंत्री पद के संभावित चेहरे के तौर पर आगे नहीं बढ़ाया गया।

कुशवाहा के मुताबिक, एक दौर में नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा थे। उस समय उन्हें लगता था कि अगर गठबंधन नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का

उम्मीदवार घोषित करता, तो विपक्ष के पक्ष में एक व्यापक राजनीतिक माहौल बनाया जा सकता था। उनका दावा है कि नीतीश के गठबंधन में बने रहने से विपक्षी खेमे को

कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर देता, तो विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिल सकती थी। लेकिन विपक्षी गठबंधन उस मौके को भुना नहीं सका।

जरिए वह यह राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करते दिखाई देते हैं कि गठबंधन की राजनीति में चेहरे और समय पर लिए गए फैसले चुनावी रणनीति के महत्वपूर्ण



और मजबूती मिल सकती थी। “एक समय ऐसा भी आया था, जब नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन के साथ थे। उस दौरान थोड़े समय के लिए यह राजनीतिक संभावना दिखाई दे रही थी कि अगर इंडिया गठबंधन नीतीश

समय बीतने के बाद अब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को अपनी रणनीति पर विचार करना पड़ रहा है।”

उपेंद्र कुशवाहा का बयान सिर्फ कांग्रेस की आलोचना तक सीमित नहीं है। इसके

हिस्से होते हैं। उनके आकलन में नीतीश कुमार उस समय विपक्ष के लिए ऐसा चेहरा हो सकते थे, जिसे आगे बढ़ाकर गठबंधन अपनी रणनीति को अलग तरीके से पेश कर सकता था।



50 वैगन बोल्डर भी नहीं रोक सके गंगा नदी का कटाव

गंगा नदी के बढ़े हुए जलस्तर और उससे हो रहे कटाव के कारण साहिबगंज में रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सकरीगली-महाराजपुर के बीच रेललाइन के किनारे कटाव की वजह से साहिबगंज-बरहड़ा रेलखंड के डाउन लाइन पर गुरुवार को तीसरे दिन भी ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। कटावरोधी कार्य गुरुवार को भी जारी रहा, लेकिन गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने की वजह से वह सफल नहीं हो पा रहा है।

पैसेंजर ट्रेनों को रद्द तथा एक्सप्रेस ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। रेलवे की मानें तो गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने से कटावरोधी कार्य में समस्या आ रही है। वहां पर गुरुवार को 45 फीट पानी मापा गया। जलस्तर अभी बढ़ रहा है। करीब सौ फीट में यह स्थिति है। वैगन बोल्डर डाला गया था, जो नीचे चला गया है। ऐसे में रेलवे के समक्ष चुनौती कठिन है। रेलवे ने जहाज के माध्यम से वहां बोल्डर गिराने की योजना बनायी थी। इसके लिए जहाज संचालकों से संपर्क किया गया, लेकिन कोई भी संचालक अपना जहाज वहां ले जाने को तैयार नहीं है। ऐसे में ट्रेनों का परिचालन शुरू होने में समय लग सकता है। सब कुछ ठीक ठाक रहा तब भी तीन से चार दिन उसे भरने में लगेगा। ऐसे

में पांच अक्टूबर के बाद ही परिचालन शुरू होने की उम्मीद जतायी जा रही है। हालांकि, इस संबंध में रेलवे का कोई अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द तथा 29 ट्रेनों को डायवर्ट किया जा चुका है। ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस व आटो-टोटो

को शुरू होने वाली यात्रा को भागलपुर और देवघर में स्टोपेज के साथ मुंगेर - भागलपुर - बांका - देवघर - जसीडीह बाईपास के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। 15657 दिल्ली



हैं। उधर, स्थिति का जायजा लेने के लिए डीआरएम शुक्रवार को वहां पहुंचेंगे। बताया गया कि गुरुवार को स्लीपर्स को लोहे की जाली में डालकर गड्ढे में गिराया गया। इधर, शुक्रवार तक 56 पैसेंजर व आठ

चालकों द्वारा मनमाना भाड़ा वसूला जा रहा है। 13106 बलिया - सियालदह एक्सप्रेस (02.10.2026 को शुरू होने वाली यात्रा) और 13020 काठगोदाम - हावड़ा बाघ एक्सप्रेस (30.09.2026 और 01.10.2026

- कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल (01.10.2026 को शुरू होने वाली यात्रा) और 15734 भटिंडा - बालूरघाट फरक्का एक्सप्रेस (30.09.2026 को शुरू होने वाली यात्रा) को जमालपुर-मुंगेर-कटिहार के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।



विक्रमशिला सेतु बंद होने के बाद फेरी सेवा शुरू

बिहार के भागलपुर में विक्रमशिला सेतु बंद होने के बाद अब जहाज ही सहारा है। ऐसे में आज सुबह से गंगा पर आवागमन के लिए शुरू की गई फेरी सेवा का गुरुवार को पहला दिन रहा। बरारी औद्योगिक क्षेत्र स्थित बियाड़ा घाट से बड़े जहाजों का परिचालन शुरू किया गया। पहले फेरे में 'स्वामी परमहंस' जहाज सुबह 6 बजकर 28 मिनट पर रवाना हुआ और करीब 2 घंटे 7 मिनट बाद नवगछिया के जाह्नवी चौक घाट पहुंचा। दूसरी ओर, विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से से बेली ब्रिज हटाने का काम भी शुरू हो गया है।

प्रशासन ने बड़े जहाज से करीब 45 से 60 मिनट (करीब एक घंटा) में गंगा पार कराने की व्यवस्था की थी लेकिन जहाज करीब 2 घंटे 7 मिनट बाद नवगछिया के जाह्नवी चौक घाट पहुंचा। जहाज से उतरने के बाद भी यात्रियों की परेशानी खत्म नहीं हुई। जाह्नवी चौक घाट से मुख्य सड़क तक जाने वाले संपर्क मार्ग के कई हिस्सों में पानी और कीचड़ जमा था।

यात्रियों को सामान लेकर जलजमाव के बीच से होकर गुजरना पड़ा। कुछ मोटरसाइकिल भी कीचड़ में फंस गईं, जिन्हें लोगों ने धक्का देकर बाहर निकाला। गोपालपुर जा रहे एक शिक्षक ने बताया

कि जहाज से उतरते ही रास्ते में पानी मिल गया। सामान लेकर पानी के बीच चलना मुश्किल था। कई यात्रियों को जूते हाथ में लेकर आगे बढ़ना पड़ा।

और नियमित अंतराल पर जहाज चलाने की मांग की। हालांकि, सभी यात्रियों ने व्यवस्था को लेकर एक जैसी शिकायत नहीं की। यात्री

से आवाजाही संभव हो रही है। फेरी सेवा शुरू होने के साथ ही विक्रमशिला सेतु पर मरम्मत का बड़ा ऑपरेशन भी शुरू हो गया है। सेतु पर वाहनों की आवाजाही



विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से पर चार स्पैन में बेली ब्रिज तैयार किया गया था। 7 जून 2026 को इस बेली ब्रिज के जरिए छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू कराई गई थी लेकिन अब सेतु के स्थायी मरम्मत कार्य के लिए वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बेली ब्रिज हटाने के बाद इन्हीं चार स्पैन पर ट्रस ब्रिज तैयार किया जाएगा।

फेरी सेवा में यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ टिकट काउंटर पर भी भीड़ देखी गई। यात्री साजन कुमार ने बताया कि एक ही टिकट काउंटर होने के कारण परेशानी हो रही है। उन्होंने काउंटर की संख्या बढ़ाने

सुमित कुमार ने बताया कि जहाज से आने में उन्हें किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा, उन्होंने बताया कि पुल बंद होने के बाद आवागमन में परेशानी जरूर है लेकिन जहाज की सुविधा उपलब्ध होने

पूरी तरह बंद होने के बाद क्षतिग्रस्त हिस्से के चार स्पैन पर बनाए गए बेली ब्रिज को हटाने का काम शुरू किया गया है। बेली ब्रिज को हटाने के लिए सिक्किम से सीमा सड़क संगठन की टीम भागलपुर पहुंची



पटना पहुंची रोहिणी आचार्य, एयरपोर्ट पर लालू-राबड़ी से मिलकर हुई इमोशनल

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य गुरुवार शाम पटना पहुंचीं। अपने घर के सदस्यों से नाराज रोहिणी आचार्य को रिसीव करने खुद आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी पहुंचे थे। इस दौरान पटना एयरपोर्ट पर लालू परिवार के बीच एक बेहद इमोशनल नजारा देखने को मिला।

पटना एयरपोर्ट पर जब रोहिणी ने लालू-राबड़ी को देखा तो वो काफी भावुक कर देने वाला पल था। पिता लालू और मां राबड़ी देवी से गले मिलकर रोहिणी की आंखों से आंसू छलक पड़े। इस दौरान रोहिणी ने मीडिया के सवालियों के जवाब भी दिए।

“पापा ने उन्हें बुलाया है और वो अपने मायके अपने पिता से मिलने के लिए आई हैं। पटना आना और इस पारिवारिक मुलाकात को किसी भी राजनीतिक तरह से न देखा जाय।” - रोहिणी आचार्य, लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य राष्ट्रीय जनता दल के कई फैसले से नाराज थीं। जिसके बाद पटना छोड़कर वो सिंगापुर चली गई थीं। तब उन्होंने तेजस्वी यादव से लेकर आरजेडी के कई नेताओं पर बयान दिया

था। विदेश में रहकर भी रोहिणी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरजेडी नेताओं और पार्टी के कार्यकलाप पर

में रहते हैं और परिवार के अंदर चल रहे मनमुटाव को पाटने में लगे हैं। ऐसे में लालू और राबड़ी अपने बेटी रोहिणी

थी कि रोहिणी पटना में एक भाड़े का फ्लैट लेकर रहेंगी। हालांकि आज सभी कयास खत्म हो गया है। रोहिणी लालू



‘मेरे लिए मेरे पापा, उनकी खुशी और उनके आशीर्वाद से बढ़कर कुछ भी नहीं। उनके बुलावे से बढ़कर कोई आदेश नहीं..... इसलिए जल्द ही आ रही हूं, अपने पापा के पास, एक बेटी होने का फर्ज निभाने।’ - रोहिणी आचार्य, लालू यादव की बेटी

निशाना साध रही थी। हालांकि तेजस्वी यादव पर जब सत्ता पक्ष के हमले होते थे तो रोहिणी आचार्य उनके साथ खड़ी नजर आई थीं। अब चूंकि लालू यादव अपने निजी आवास

आचार्य को खुद एयरपोर्ट से रिसीव कर अपने निजी आवास पर लेकर गए हैं। कुछ दिन पहले ही रोहिणी ने बताया था कि वह अपने पिता के बुलावे पर बिहार आ रही हैं। पहले खबर यह आयी

यादव के आवास पर ही रुकी हैं। कुल मिलाकर देखें तो पारिवारिक विवाद को खत्म करने के लिए लालू-राबड़ी ने बड़ा कदम उठाया है। रोहिणी को अपने निजी आवास कौटिल्य नगर ले गए हैं।



खनिज सेस पर झारखंड सरकार का बड़ा दांव

MMDR संशोधन को दरकिनार कर वसूली जारी

झारखंड में खनिजों पर सेस की वसूली को लेकर राज्य सरकार और केंद्र के बीच टकराव और बढ़ने के संकेत हैं। जानकारी के मुताबिक, राज्य की राजस्व संवर्धन समिति ने केंद्र के नए MMDR संशोधन के बावजूद खनिजों पर सेस की वसूली जारी रखने के फैसले पर मुहर लगाई है।

जानकारी के मुताबिक, वित्त सचिव की अध्यक्षता में मंगलवार को राजस्व संवर्धन समिति की बैठक हुई थी, जिसमें खान, नगर विकास, परिवहन, पथ निर्माण और भू राजस्व विभाग में राजस्व बढ़ाने से जुड़े मसलों पर चर्चा हुई थी। इसमें बकाया परिवहन टैक्स की वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने और दूसरे राज्य से लघु खनिज लदे गाड़ियों के झारखंड में प्रवेश पर शुल्क वसूली पर भी मंथन हुआ था। हालांकि, ETV Bharat से फोन पर बातचीत में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि उन्हें राजस्व संवर्धन समिति के इस फैसले की आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर समिति ने MMDR एक्ट में किए गए संशोधन को दरकिनार करते हुए खनिजों पर सेस की वसूली जारी रखने का निर्णय लिया है, तो यह स्वागत योग्य कदम है।

उन्होंने फिर दोहराया कि इस संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है।

के अधिकार को मान्यता दी थी। जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के बहुमत ने भी राज्यों के

आग्रह किया था। उन्होंने इकोनामिक सर्वे 2025-26 का हवाला देते हुए कहा था कि खनन से मिलने वाला राजस्व 2024-25



मंत्री के मुताबिक, केंद्र सरकार ने इसके बाद MMDR कानून में संशोधन कर राज्यों की खनिजों पर सेस लगाने की शक्ति को सीमित करने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि संशोधन में 'खनिज युक्त भूमि' से जुड़े प्रावधानों को शामिल किया गया है, जबकि भूमि पर राज्य का अधिकार होता है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर मनमाने तरीके से कानून में बदलाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने राज्यों के खनिज अधिकारों पर सेस लगाने

खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने की शक्ति को मान्यता दी थी। बता दें कि एमएमडीआर एक्ट में संशोधन के बाद 13 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस पर विचार करने का

में राज्य के अपने गैर कर राजस्व का करीब 84.9% था। उसी सर्वे में Mineral Bearing Land Cess से करीब 11,000 करोड़ रुपये सालाना राजस्व मिलने का अनुमान जताया गया था।



अमित शाह का ऐलान, AAP पर 'चिट्ठा' का तंज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को आरोप लगाया कि पंजाब में आप सरकार ने 'चिट्ठा' (सिंथेटिक ड्रग्स) के व्यापार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है और कसम खाई कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो 31 दिसंबर, 2029 तक पंजाब को ड्रग्स के व्यापार से मुक्त कर देगी।

जालंधर में भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा आने वाले विधानसभा चुनाव में नशा मुक्त पंजाब को अपने अभियान का मुख्य मुद्दा बनाएगी।

शाह ने कहा, "आज पंजाब को ड्रग-फ्री बनाने का समय क्यों आ गया है? क्योंकि आप पार्टी की सरकार ने चिट्ठा (सिंथेटिक ड्रग्स) के व्यापार को खुलेआम फलने-फूलने दिया।" उन्होंने कहा, "मैं आज पंजाब के लोगों को यह बताने आया हूँ कि पंजाब चुनाव में कई मुद्दे हैं- किसानों के मुद्दे, उद्योग के मुद्दे, कानून-व्यवस्था के मुद्दे, महिला सुरक्षा के मुद्दे। लेकिन आने वाला चुनाव, भाजपा, पूरी तरह से ड्रग-फ्री पंजाब के मुद्दे पर, ड्रग-फ्री पंजाब के लिए लड़ने जा रही है।"

शाह ने पंजाब के लोगों से भाजपा को सपोर्ट करने की अपील की और कहा कि पार्टी 2029 के आखिर तक चिट्ठे के व्यापार

को खत्म करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, "आज यहां से मैं पंजाब की माताओं और युवाओं से वादा करता हूँ कि

जुड़े दूसरे जाने-माने लोगों को श्रद्धांजलि देकर की, जिनमें महाराजा रणजीत सिंह, सरदार तेजा सिंह समुंद्री, भगत सिंह और

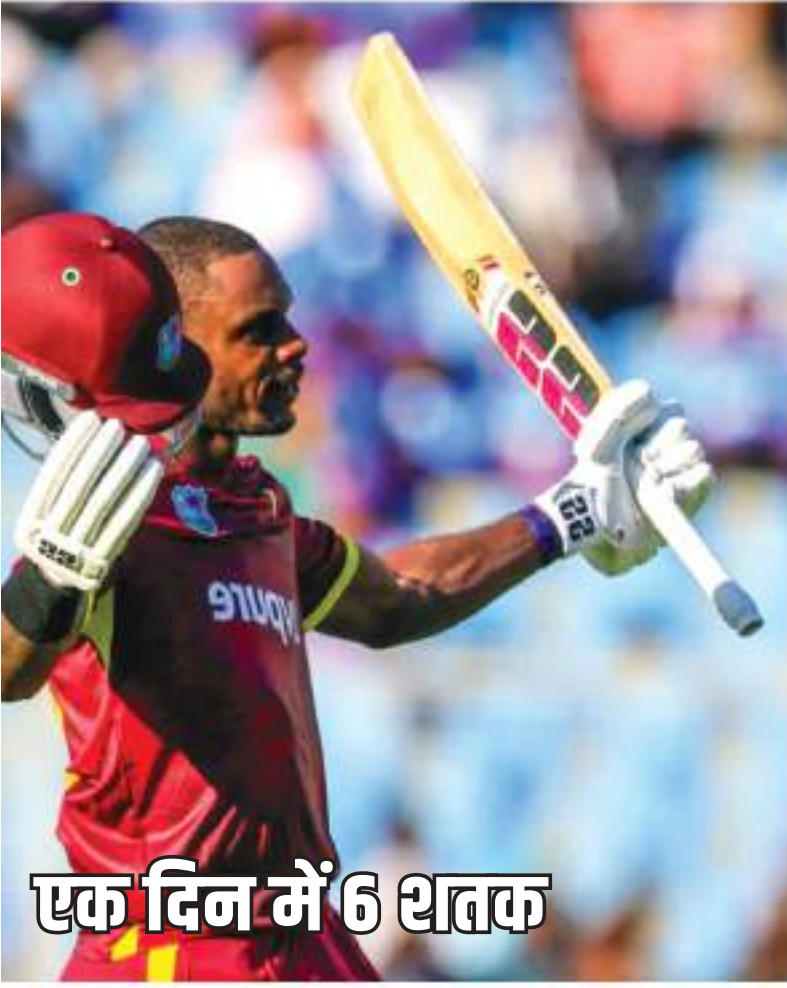
"जब भी देश में खाने-पीने की चीजों की जरूरत होती थी तो पंजाब का किसान हमारे अन्न भंडार और गोदाम भरता था और



इस चुनाव में भाजपा का साथ दें, कमल के फूल को वोट दें और 31 दिसंबर 2029 से पहले हम पंजाब को चिट्ठे के व्यापार से मुक्त कर देंगे।" केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत सिख गुरुओं और पंजाब से

उधम सिंह शामिल थे। उन्होंने कहा कि पंजाब ने ऐतिहासिक रूप से अपने किसानों के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान दिया है और भारत की सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण बलिदान दिए हैं। शाह ने कहा,

आज भी पंजाब का किसान उन्हें भरता है। उन्होंने देश की सुरक्षा में पंजाब के युवाओं के योगदान की भी तारीफ की और कहा कि राज्य ने आजादी से पहले और बाद में भी बलिदान दिया है।



एक दिन में 6 शतक

वनडे क्रिकेट में 27 सितंबर बना यादगार दिन

वनडे क्रिकेट में रविवार, 27 सितंबर को तीन इंटरनेशनल मैच खेले गए. जिसमें कुल 6 बल्लेबाजों ने शतकीय पारी खेली. भारत और वेस्टइंडीज के मैच में कुल तीन शतक लगे. जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के मैच में दो शतकवीर रहे. वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका के मैच में एक बल्लेबाज ने शतकीय पारी खेली.

भारत बनाम वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे मैच में तीन शतक लगे. कैरेबियाई खिलाड़ी जस्टिन ग्रीक्स ने 108 गेंदों में 101 रनों की शानदार पारी खेली. जिसमें 12 चौके शामिल थे. इसके अलावा भारत की तरफ से कप्तान शुभमन गिल ने 108 गेंदों में 13 चौके और 1 छक्के की मदद से 110 रन बनाए. जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 88 गेंदों में नाबाद 139 रनों की मैच जीताओ पारी खेली. अपनी पारी में कोहली ने 10 चौके और 9 छक्के भी लगाए. इस मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. भारत ने 296 रनों के लक्ष्य को 41.4 ओवर में ही हासिल कर लिया था.

खेले गए साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैच में दो शतक लगे. ये दोनों शतक साउथ अफ्रीका की तरफ



से आर. प्रोटियाज के कप्तान टेम्बा बावुमा ने 116 गेंदों में 103 रनों की पारी खेली. जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल थे. इसके अलावा किलर मिलर नाम से मशहूर डेविड मिलर ने केवल 93 गेंदों में 142 रनों

की तूफानी पारी खेली. मिलर इस दौरान 12 चौके और 9 छक्के भी जड़े. इन दोनों पारियों की वजह से मेजबान साउथ अफ्रीका 50 ओवर में 9 विकेट पर 365 रन बनाने में सफल रही. जवाब में ऑस्ट्रेलिया की

टीम 49.5 ओवर में 333 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. जिससे उन्हें 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ साउथ अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी बना ली.



CSK को मिल गया नया हेड कोच

IPL 2027 में लेंगे स्टीफन फ्लेमिंग की जगह

पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने सोमवार को भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को 2027 सीजन के लिए अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। जहीर खान न्यूजीलैंड के पूर्व महान बल्लेबाज व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग की जगह संभालेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से अपने पद से स्तीफा दे दिया था। जिसके साथ फ्लेमिंग का CSK के साथ 18 साल तक सफर भी खत्म हो गया। उन्होंने अब इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम के हेड कोच का पद संभाल लिया है।

CSK ने एक्स पर इस की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच के रूप में जहीर खान का स्वागत है।' समझा जा रहा है कि CSK की क्रिकेट प्रबंधन समिति में शामिल एमएस धोनी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और मालिक रुपा गुरुनाथ इस बार एक भारतीय कोच चाहते थे। जहीर IPL 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर की भूमिका भी निभा



चुके हैं। CSK की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में जहीर खान ने इस सफल फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनाने को सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा,

'IPL के इतिहास की सबसे सफल टीमों में से एक का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। एक क्रिकेटर के तौर पर, मैंने मैदान पर CSK का सामना किया है

और उन मुकामों का भरपूर आनंद भी लिया है। मैं इतने शानदार इतिहास वाली इस प्रतिष्ठित फ्रैंचाइजी से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।'



भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान से छीनी जीत

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका मुकाबला मलेशिया और साउथ कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। ये मैच काफी रोमांचक रहा जिसमें भारत ने सिर्फ 50 सेकंड बाकी रहते पाकिस्तान से जीत छीन ली। एक समय इंडिया 3-0 से आगे था, फिर पाकिस्तान ने वापसी करते हुए 3-3 से बराबरी कर ली, लेकिन आखिर मिनट में हुए गोल ने 4-3 से रोमांचक जीत पक्की कर दी। मैच के बाद, इंडिया और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ भी मिलाए।

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (पांचवां और 13वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किये जबकि सुखजीत सिंह (23वां) और अभिषेक (60वां) ने फील्ड गोल दागे। वहीं पाकिस्तान के लिए कप्तान अबू बकर ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल किया जबकि शाहिद हन्नान (45वां) और राणा वाहिद (49वां) ने पांच मिनट के भीतर दो गोल



दागे। आज दिन के आगाज में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को क्वार्टर फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी और ऊंची रैंकिंग वाले पाकिस्तान के हाथों 0-3

से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर मौजूद भारत विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज पाकिस्तान के खिलाफ एक घंटे 22

मिनट तक चले मैच में 19-25, 23-25 और 18-25 से हार गए। इसके साथ भारत का एशियाई खेलों में 40 साल बाद पदक जीतने का सपना टूट गया।



बिहार में 32 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती

नया नोटिफिकेशन जारी, सिंगल रिटन एजाम से सिलेक्शन

बिहार लोक सेवा आयोग ने टीचर के 32,388 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती का नया नोटिफिकेशन जारी हो गया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा की नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

कक्षा 1-5 :

12वीं में न्यूनतम 50% अंक

2 वर्षीय D.El.Ed या समकक्ष डिग्री

या 4 वर्षीय B.El.Ed

या स्पेशल एजुकेशन डिप्लोमा

संबंधित CTET/BTET Paper-I क्लियर।

कक्षा 6-8 :

संबंधित विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री।

B.Ed/D.El.Ed

पद के अनुसार, संबंधित CTET/BTET/STET की डिग्री।

कक्षा 9-10 :

संबंधित विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री।

B.Ed या समकक्ष योग्यता।

STET Paper-I क्लियर।

कक्षा 11-12 :

संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

B.Ed या समकक्ष योग्यता

STET Paper-II क्लियर।



एज लिमिट :

18 - 37 साल

सैलरी :

25 हजार - 32 हजार रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :

रिटन एजाम के बेसिस पर

सिर्फ बिहार वासियों को आरक्षण :

इस भर्ती में आरक्षण सिर्फ बिहार के मूल

निवासियों को मिलेगा।

महिलाओं को प्राथमिक शिक्षक (1-5) के

लिए : 50% आरक्षण

मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक

कक्षाओं के लिए : 35% आरक्षण

आरक्षण का दावा करने के लिए जाति, आय

और क्रीमीलेयर रहित (NCL) प्रमाण पत्र

पिता के नाम और पते के साथ होना चाहिए।

एजाम पैटर्न :

कक्षा 1-5 टीचर :

कुल प्रश्न: 150, कुल अंक: 150

भाषा: 30 प्रश्न/30 अंक

सामान्य अध्ययन: 120 प्रश्न/120 अंक

भाषा में न्यूनतम 30% अंक जरूरी बताए

गए हैं। एक तिहाई अंकों की निगेटिव मार्किंग होगी।

कक्षा 6-8, TGT और PGT :

भाषा : 30 प्रश्न/30 अंक

जनरल नॉलेज : 40 प्रश्न/40 अंक

संबंधित विषय : 80 प्रश्न/80 अंक

कुल : 150 प्रश्न/150 अंक

एक तिहाई अंकों की निगेटिव मार्किंग होगी।

दोनों एजाम में अगर उम्मीदवार किसी भी

ऑप्शन को नहीं चुनना चाहता तो विकल्प E

भरना होगा।



अब दो स्कॉलरशिप का एक साथ मिल सकेगा फायदा

नेशनल स्कॉलरशिप के नियम बदले

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (NSP) पर स्कॉलरशिप के नियमों में बदलाव किया गया है, जो 2026-27 से लागू होंगे। केंद्र सरकार के नए नियम के अनुसार, अगर कोई स्टूडेंट, जिसे वेलफेयर-बेस्ड स्कॉलरशिप मिल रही है, मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप के लिए भी योग्य हो जाता है, तो उसे मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप भी मिलेगी। इसी तरह से मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप पाने वाले स्टूडेंट को वेलफेयर बेस्ड स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) ने अपने सभी स्कूलों से कहा है कि वे इस संबंध में लोगों को अवैयर करने के लिए स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और अन्य संबंधित लोगों तक यह जानकारी पहुंचाएं। सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर 'डिडुप्लिकेशन मॉड्यूल' लागू करने के दौरान, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (DoSEL) व सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (DoSJE) के बीच कुछ समस्याएं सामने आईं, जिसमें कई उम्मीदवारों को 'डुप्लिकेट' माना गया। इन मामलों की जांच से यह बात सामने

आई कि भारत सरकार द्वारा लागू की गई स्कॉलरशिप के क्लासिफिकेशन, लिमिट और मकसद को लेकर अलग-अलग

आवेदनों में अपने आप भर जाएगी। आवेदक द्वारा जमा किए गए सभी आवेदन और उनका स्टेटस, इंस्टीट्यूट नोडल

जानकारी में कमियों में बांटा जाएगा। किसी आवेदक द्वारा जमा किए गए सभी आवेदन और उनका स्टेटस, संबंधित सभी



एनटीए ने स जेक्ट एक्सपर्ट्स की भर्ती निकाली है। ये एक्सपर्ट NTA द्वारा कराई जाने वाली परीक्षाओं के लिए पेपर तैयार करेंगे। साथ ही ट्रांसलेशन रिव्यू करने वालों की भी भर्ती निकाली गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट nta.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों का पैनल 3 साल तक वैलिड रहेगा, जिसकी हर साल समीक्षा की जाएगी।

मंत्रालयों और विभागों के बीच एक जैसी समझ होनी चाहिए। L1 वेरिफिकेशन के दौरान अपडेट की गई ट्यूशन फीस, एडमिशन फीस और अन्य नॉन-रिफंडेबल फीस की जानकारी बाद में किए गए

ऑफिसर (IN0) को दिखाई देंगे। आवेदनों को डिफेक्टिव मार्क करते समय, कमियों को अलग-अलग दो कैटेगरी यानी पहला स्कीम से जुड़ी जानकारी में कमियां और दूसरा सामान्य या एकेडमिक

L2 नोडल ऑफिसर को एक साथ दिखाई देंगे। इससे एक ही आवेदक द्वारा अलग-अलग स्कॉलरशिप कैटेगरी के तहत जमा किए गए कई आवेदनों पर निर्णय लेना आसान होगा।



एशियन गेम्स में नेपाल का उलटफेर

अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

ने पाल ने एशियन गेम्स के क्रिकेट इवेंट में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। जापान के निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की। टीम 20 ओवर में सिर्फ 102 रन बना सकी। जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 16 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद फैसल खान अहमदजई और नजीबुल्लाह जादरान ने पारी संभाली। दोनों ने 30-30 रन बनाए। नांगेयालिया खान 17 रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल के कुशल भुर्तेल ने 4 और ललित राजवंशी ने 3 विकेट लिए।

103 रन के टारगेट का पीछा करते हुए नेपाल ने 12 रन तक दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद सुंदीप जोरा ने 34 रन और रोहित पौडेल ने नाबाद 33 रन बनाकर टीम को संभाला। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 15 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान की टीम में रेगुलर कप्तान राशिद खान, रहमानुल्लाह गुरबाज और



अजमतुल्लाह ओमरजई जैसे सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया था। तीनों को आराम दिया गया था। एशियन गेम्स में स क्रिकेट में भारत सीधे क्वार्टरफाइनल खेलेगा। उसका सामना ग्रुप-A की दूसरे नंबर की टीम से 28 सितंबर को होगा।

नेपाल ने आज अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया। दोनों टीमों के पास 1-1 जीत है। अब ग्रुप-A में दूसरे स्थान की रेस अहम हो गई है। दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम ही क्वार्टरफाइनल में भारत से भिड़ेगी, यानी भारत का सामना नेपाल या अफगानिस्तान में से किसी एक

से हो सकता है। फिलहाल हार के बावजूद अफगानिस्तान ग्रुप में टॉप पर है और नेपाल दूसरे नंबर पर है। अफगानिस्तान ने एशियन गेम्स की मेंस क्रिकेट में जीत के साथ अभियान शुरू किया। ग्रुप-ए के मुकाबले में अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया।



एशियन गेम्स-भारत को पुरुष मैराथन में 44 साल बाद मेडल: सावन ने सिल्वर दिलाया

भा भारत को एशियन गेम्स के पुरुष मैराथन इवेंट में 44 साल बाद मेडल मिला है। सावन बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड की टाइमिंग के साथ सिल्वर दिलाया। इस इवेंट में 1982 के दिल्ली एशियन गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मिला था।

महिलाओं की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन कैटेगरी में भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही। इस टीम में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदर्शा विनोद के नाम शामिल रहे। इंडिया को शूटिंग में 11वां मेडल मिला है। इससे पहले एक गोल्ड, 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मिल चुके हैं। भारत के मेडल की संख्या 25 पहुंच गई है। इसमें 2 गोल्ड, 11 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 12वें स्थान पर है।

एशियाड में आज भारत कबड्डी के 2 गोल्ड मेडल जीत सकता है। भारत की महिला और पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला ईरान से होगा। महिला टीम का मैच सुबह 9:30 बजे, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा। मनुष शाह तीसरे राउंड में



हारे, लिन शिडोंग ने 4-0 से हराया भारत के मनुष शाह पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में चीन के लिन शिडोंग से 0-4 से हारकर बाहर हो गए। लिन ने मुकाबला 11-4, 11-4, 11-9, 12-10 से जीता। मनुष शुरुआती दो गेम आसानी से हार गए। तीसरे गेम में उन्होंने बढ़त बनाई, लेकिन 9-11 से हार गए। चौथे गेम में

मनुष 10-5 से आगे थे, लेकिन लिन ने लगातार 7 अंक जीतकर गेम और मैच अपने नाम लिया। भारत के अनिमेष कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर हीट में 21.10 सेकंड का समय लेकर अपनी हीट जीती। इस जीत के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बना ली। फैंसिंग: पुरुष टीम साबर के क्वार्टर

फाइनल में भारत हारा भारत की पुरुष साबर टीम को क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन दक्षिण कोरिया से 25-45 से हार मिली। इसके साथ भारत का अभियान खत्म हो गया। भारत की ओर से करण सिंह, जीएन कुमारेशन और विशाल थापर ने मुकाबला खेला।



सुरुचि सिंह और कमलजीत? जिन्होंने एशियन गेम्स में भारत को दिलाया गोल्ड

ए शियन गेम्स 2026 में भारतीय शूटिंग टीम को शुक्रवार को पहला गोल्ड मेडल मिला. 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में हरियाणा से ताल्लुक रखने वाली सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 484.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता. भारतीय जोड़ी ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ा और एशियन गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया. सुरुचि सिंह इज्जत की रहने वाली हैं. 28 अप्रैल 2006 को जन्मी सुरुचि ने करीब 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की थी. शुरुआत में परिवार की खेल पृष्ठभूमि के कारण उन्हें कुश्ती की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, लेकिन बाद में उन्होंने शूटिंग को अपना खेल चुना. उन्होंने भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में कोच सुरेश सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया.

2025 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान: सुरुचि ने 2025 में सैनियर इंटरनेशनल सर्किट पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने ब्यून्स आयर्स, लीमा और म्युनिख में ISSF वर्ल्ड कप में गोल्ड जीते. लीमा में उन्होंने सौरभ चौधरी के साथ मिक्स्ड

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुरुचि सिंह और कमलजीत की इस उपलब्धि पर बधाई दी. उन्होंने दोनों खिलाड़ियों की सफलता को हरियाणा और देश के लिए गौरव का विषय बताया. वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी दोनों को बधाई दी.



टीम में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था. वर्ल्ड कप फाइनल में भी जीता था गोल्ड: साल 2025 के ISSF वर्ल्ड कप फाइनल में दोहा में सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीता. इस दौरान उन्होंने 245.1 अंक

के साथ जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. 2026 में भी उनका प्रदर्शन जारी रहा और नई दिल्ली एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में मिक्स्ड टीम इवेंट में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता. वहीं, 22 अगस्त 2003 को जन्मे

कमलजीत रेवाड़ी के सुलखा गांव से हैं. शूटिंग शुरू करने से पहले वह ट्रैक एंड फील्ड एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे. चोट के बाद उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा और 2019 में उन्होंने शूटिंग को अपना नया खेल बनाया.



टी0बी0 उन्मूलन हेतु अपील

टी0बी0 एक संक्रामक बीमारी है लेकिन समय पर पहचान, जाँच एवं पूरा उपचार कराने से टी0बी0 का इलाज संभव है।

टी0बी0 के 10 प्रमुख लक्षण:-

- दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खाँसी रहना।
- रात में पसीना आना।
- बुखार।
- बलगम वाली खाँसी।
- सीने में दर्द।
- बलगम में खून आना।
- थकान।
- शरीर के किसी भी हिस्से में गाँठ होना।
- वजन में गिरावट।
- हाल में कुछ शारीरिक बदलाव।

क्या करें

यदि इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किये नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर टी0बी0 जाँच करायें। टी0बी0 की जाँच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। इलाजगत टी0बी0 मरीजों को उपचार अवधि में प्रतिमाह एक हजार रुपये निःशुल्क पोषण सहायता राशि मरीज के बैंक खाता में उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

राज्य में टी0बी0 उन्मूलन हेतु विशेष रूप से टी0बी0 मुक्त भारत अभियान चलाये जा रहे हैं। जिसके अन्तर्गत टी0बी0 के प्रति जोखिम वाले समूहों के चिन्हित गाँव, वार्ड में स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन कर लोगों का अत्याधुनिक Hand Held X-Ray मशीन के माध्यम से टी0बी0 स्क्रीनिंग की जा रही है, जिससे की बिना लक्षण वाले संभावित टी0बी0 मरीजों की भी पहचान की जा सके।

टी0बी0 उन्मूलन में आप भी भागीदार बनें।

झारखण्ड राज्य के सभी जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सेवी संस्था, प्रबुद्ध नागरिक, राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्य, स्वयं सहायता समूह के सदस्य एवं आम जनों से अपील है कि निःशुल्क मित्र पहल अन्तर्गत निःशुल्क मित्र बनकर अतिरिक्त पोषण सहायता/आजीविका प्रशिक्षण/जाँच इत्यादि में सहायक बनेंगे एवं गाँव/वार्ड/पंचायत/प्रखण्ड/जिला को भी टी0बी0 मुक्त बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे।

अधिक जानकारी हेतु टोल फ्री हेल्प लाइन 1800-11-6666 एवं टी0बी0 मुक्त भारत ऐप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। निकटतम सहिया, सौ.एच.ओ., चिकित्सा पदाधिकारी अथवा जिला स्तर पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

आपकी जागरुकता- टी0बी0 की पहचान
आपका सहयोग - टी0बी0 का पूर्ण निदान
टी0बी0 मुक्त झारखण्ड हेतु समाधान

राज्य यक्ष्मा प्रभाग से सम्पर्क हेतु मोबाइल न०
8434736553, 7979877266



जनहित में जारी
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड।





एशियन गेम्स-2026 में भारत को गोल्ड

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता; श्रीलंका को 147 रन से हराया

भा रतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। टीम ने 2022 गेम्स में भी गोल्ड जीता था।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया। श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अटापट्ट ने



सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी को भी 2-2 विकेट मिले। श्रीलंका के 8 बल्लेबाज दहाई

का आंकड़ा भी नहीं छू सके। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता भारत ने एशियन गेम्स 2026 में विमेंस क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीत लिया। श्रीलंका 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रेयंका पाटिल ने कौशानी नुथ्यांगना

को बोल्ट कर भारत को जीत दिलाई। श्रेयंका की फुल और स्टंप्स पर आती गेंद पर कौशानी आगे निकलकर शॉट खेलने गई, लेकिन गेंद बल्ले को चकमा देकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। इसके साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर तिरंगा लहराकर गोल्ड मेडल का जश्न मनाया।

श्रीलंका को 14.2 ओवर में नौवां इंटका लगा। मिताली अयोध्या 5 गेंदों पर बिना खाता खोले रन आउट हुई। कौशानी नुथ्यांगना के मिडविकेट की ओर शॉट खेलने के बाद दोनों ने एक रन पूरा किया, लेकिन दूसरे रन के लिए मिताली क्रीज से बाहर निकल गई। वापसी के दौरान वह फिसल गई और ऋचा घोष ने गिल्लियां बिखेर दीं।

छठे ओवर में श्रीलंका का छठा विकेट गिरा। कविशा दिलहारी 13 गेंदों पर 11 रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा की गेंद पर दिलहारी आगे निकलकर शॉट खेलने गई, लेकिन गेंद सीधे गेंदबाज के पास लौट गई। दीप्ति ने पहले कोशिश में कैच गंवाया, लेकिन गिरते हुए गेंद को दूसरी कोशिश में पकड़ लिया।



‘जेलर 2’ में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री

‘जे

लर 2’ की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है. वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं. अब जेलर 2 के निर्माता ने राजनीकांत स्टारर फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है. इससे पहले मेकर्स ने एसजे सूर्या का बोधि और सूरज वेंजारामूडू का दिलीप लुक पेश किया था. निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है. वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है. विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं. इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है.

बंगाली और हिंदी सिनेमा की दिग्गज अदाकारा मिठू मुखर्जी का निधन

‘कोलकाता की रेखा’ कही जाने वाली एक्ट्रेस मिठू मुखर्जी का 20 सितंबर को निधन हो गया. वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं. उन्हें हाल में मुंबई के ब्रीच कैन्डी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. रविवार देर रात हॉस्पिटल में ही दम तोड़ दिया. वह 71 साल की थीं. सुचित्रा सेन के बाद, वह इकलौती ऐसी लीडिंग एक्ट्रेस थीं जो कभी दोबारा कैमरे के सामने नहीं आईं.

ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने मशहूर एक्ट्रेस मिठू मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी. एसोसिएशन के मुताबिक, मिठू मुखर्जी बंगाली और

हिंदी फिल्मों की एक मशहूर एक्ट्रेस थीं. उन्होंने ‘शेष पर्व’ से फिल्मों में कदम रखा और 1970 और 1980 के दशक में भारतीय सिनेमा का एक जाना-माना और सम्मानित चेहरा बन गईं. उन्हें ‘मर्जीना अब्दुल्ला’, ‘निशि कन्या’, ‘मौचक’, ‘स्वयंसिद्धा’, ‘होटल स्नो फॉक्स’, ‘भाग्यचक्र’, ‘संधि’, ‘फादर’ और ‘आश्रिता’ जैसी बेहतरीन बंगाली फिल्मों में उनके यादगार अभिनय के लिए याद किया जाता है. उन्होंने ‘खान दोस्त’, ‘सफेद झूठ’, ‘दिल्लीगी’ और ‘दो लड़के दोनों कड़के’ जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया.



‘हनुमान अंश’ ने संडे को मचाया बवाल, कमाई में 40 फीसदी उछाल, कलेक्शन 350 करोड़

हनुमान अंश अपनी शानदार थिएटर सफलता को सातवें सप्ताह में भी बरकरार रखे हुए है। विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित यह आध्यात्मिक ड्रामा फिल्म भारत में 45वें दिन छा गई। शनिवार से फिल्म के घरेलू कारोबार में 40 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर इसकी असाधारण सफलता और भी बढ़ गई है। अब फिल्म वर्ल्डवाइड 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की ओर बढ़ रही है।

हनुमान अंश किस बारे में है?

विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित, हनुमान अंश नीम करोली बाबा के जीवन और यात्रा पर आधारित एक आध्यात्मिक फिल्म है। फिल्म में अनिल रस्तोगी, सुगंधा मल्होत्रा, भगवानदास पटेल और नेहा परांजपे के साथ शोभिनव सत्या और विहान शेडगे मुख्य भूमिका में हैं। यह कहानी स्वतंत्रता-पूर्व भारत के एक युवा लड़के लक्ष्मी नारायण की है, जो अपनी मां

को खो देता है और ईश्वर की खोज में घर छोड़ देता है। उसकी यात्रा उसे उत्तरी भारत के विभिन्न हिस्सों में ले जाती है, जहां अनेक अनुभवों से उसका आध्यात्मिक मार्ग धीरे-धीरे आकार लेता है और अखिर में वह नीम करोली बाबा बन जाता है। फिल्म में उसकी दिवंगत मां से मिलने की तीव्र इच्छा और मानवता की सेवा के प्रति उसके समर्पण को दर्शाया गया है।



विशाल चतुर्वेदी के अलावा, इस फिल्म के निर्माण में रागिनी एस., नम्रता जी. सिंह और अनुप्रिया ए. नागर जैसी महिला निर्माताओं ने भी सह-निर्माता के रूप में अहम भूमिका निभाई है। नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित यह फिल्म मात्र ₹2 करोड़ के छोटे बजट में बनी थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर एक ऐतिहासिक और अप्रत्याशित ब्लॉकबस्टर साबित हुई।





Honouring Women



'Lokmata Ahilyabai Matri Shakti Yatra' yojana providing free bus travel to women aged 60 years and above across Uttar Pradesh

Scheme Highlights



Fulfilled the promise of the Lok Kalyan Sankalp Patra



Lifetime benefit for women aged 60 years and above



Free travel on UPSRTC ordinary buses



Special smart cards for eligible women, provided by the Corporation



Aadhaar Card accepted for availing the benefit



₹22 Crore+ estimated monthly expenditure under the scheme



An estimated 88,000+ women passengers to benefit daily

Women Power. Freedom to Travel.





सलुजा गोल्ड

TMT BARS



**मज़बूती
सबकुछ है**

